दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 91/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 1 नवम्बर 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

प्रदेशभर में मना स्थापना दिवस, राष्ट्र और मध्य प्रदेश गान हुआ आयोजित

भोपाल। मध्य प्रदेश का स्थापना दिवस बुधवार को प्रदेशभर में मनाया गया। हालांकि विधानसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी होने के कारण बड़े कार्यक्रम आयोजित नहीं किए गए, लेकिन मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और मध्य प्रदेश गान का सामूहिक गायन 11 बजे आयोजित किया गया।

इस दौरान संस्कृति विभाग की टीम द्वारा देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति भी दी गई। इसमें मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी ने भी दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रदेशवासियों को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की बधाई दी। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि 'मध्य प्रदेश के अपने सभी परिवारजनों को राज्य के स्थापना दिवस पर मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। विकास की नित-नई ऊंचाइयों को छू रहा हमारा मध्य प्रदेश अमृतकाल में देश के संकल्पों को साकार करने में अहम योगदान दे रहा है। मेरी कामना है कि यह राज्य प्रगति के पथ पर यूं ही निरंतर अग्रसर रहे।'

राहुल गांधी ने दी बधाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के निर्माण और विकास में सभी का योगदान है। वे जनता की खुशहाली की कामना करते हैं।

हमने विरासत की शुरुआत की: चौहान

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश स्थापना दिवस की बधाई दी है। उन्होंने कहा, हर साल हम मध्य प्रदेश स्थापना दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। हमने इस विरासत की शुरुआत की है। लेकिन इस बार आदर्श आचार संहिता के कारण हम इसे आधिकारिक तौर पर नहीं मना सकते। लेकिन 3 दिसंबर के बाद जब भाजपा दोबारा सरकार बनाएगी तो हम तिथि तय कर स्थापना दिवस मनाएंगे।

जनता की खुशहाली हमारा लक्ष्य: कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने स्थापना दिवस पर प्रदेश के नागरिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि हमारा लक्ष्य है जनता खुश रहे। आइए हम सब मिलकर अपने मध्य प्रदेश को संसार का सबसे स्वस्थ, सुरक्षित, सुखी, समृद्ध और सुसंस्कृत राज्य बनाने का संकल्प लें। उन्होंने यूनेस्को द्वारा ग्वालियर को 'सिटी ऑफ म्यूजिक' के रूप में मान्यता दिए जाने पर भी बधाई दी है।

भाजपा ने मप्र को बीमारू राज्य से बाहर निकाला: वीडी शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मप्र के स्थापना दिवस पर कहा कि 20 सालों में भाजपा ने मप्र को बीमारू राज्य से बाहर निकाला है। भारत सिर्फ कृषि उत्पादन में ही नहीं कई क्षेत्रों में मप्र देश में नम्बर वन पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में हमारा प्रदेश और देश तरक्की कर रहा है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना से आज गरीब लोगों का उपचार हो रहा है, लाडली बहन योजना से प्रदेश की महिलाओं को हर माह 1250 रूपये राशि हर माह खाते में जाती है।

राज्य के गौरवशाली इतिहास की सुनहरी यादें

1 नवंबर 1956 को भारतीय गणराज्य के गठन के साथ, मध्यप्रदेश अलग राज्यों का एकीकरण होकर एक अलग राज्य बना। इस महत्वपूर्ण घटना की सालगिरह को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। मध्यप्रदेश का भौगोलिक स्थान: मध्यप्रदेश भारत के मध्य में स्थित है और इसका नाम इसके स्थिति के साथ मेल खाता है। यह भौगोलिक रूप से भारत का केंद्र है और इसका स्थान भारतीय सभ्यता और संस्कृति के इतिहास में महत्वपूर्ण है।

भारत-बांग्लादेश के बीच 3 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

9 साल में हमने जितना काम किया, वो कई दशकों में नहीं हुआ: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आज तीन विकास परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन किया। इसमें भारत-बांग्लादेश को जोड़ने वाली दो रेल परियोजनाएं- अखौरा-अगरतला क्रॉस-बॉर्डर रेल लिंक, मोंगला पोर्ट रेल लाइन और एक मेगा पावर प्लांट- मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की यूनिट-2 शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि अखौरा-अगरतला रेल लिंक भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों और बांग्लादेश के बीच पहला रेल लिंक है। इसका उद्घाटन एक ऐतिहासिक पल है। पिछले 9 सालों में हमने मिलकर जितना काम किया है, वो कई दशकों में भी नहीं हुआ था। मोदी ने कहा, सीमा पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता स्थापित करने के लिए हमने दशकों से लंबित भूमि सीमा समझौते पर हस्ताक्षर किए। हमने समुद्री सीमा का भी समाधान किया... पिछले 9 वर्षों में ढाका, शिलांग, अगरतला, गुवाहाटी और कोलकाता को जोड़ने वाली 3 नई बस सेवाएं शुरू की गई हैं। पिछले 9 वर्षों में 3 नई ट्रेन सेवाएं भी शुरू हुई हैं। 2020 से भारत और बांग्लादेश के बीच पार्सल और कंटेनर ट्रेनें भी चल रही हैं... भारत और बांग्लादेश के बीच दुनिया का सबसे बड़ा क्रूज गंगा विलास शुरू करके पर्यटन को बढ़ावा दिया गया है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा- भारत-बांग्लादेश के बीच तीनों प्रोजेक्ट्स का जॉइंट इनॉगरेशन हमारी पक्की दोस्ती और सहयोग को दिखाता है। शेख हसीना ने दोनों देशों के बीच दोस्ती को मजबूत करने को लेकर भारत के पीएम मोदी के कमिटमेंट की सराहना की।

ये तीनों परियोजनाएं भारत की सहायता से क्रियान्वित की गई हैं। इनमें अखौरा-अगरतला क्रॉस-बॉर्डर रेल लिंक, खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन और मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की यूनिट-तीन, परियोजना शामिल हैं। अखौरा-अगरतला क्रॉस-बॉर्डर रेल लिंक परियोजना को भारत सरकार की ओर से बांग्लादेश को दी गई 392.52 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के तहत क्रियान्वित किया गया है। पीएमओ के बयान में कहा गया है कि बांग्लादेश में 6.78 किमी दोहरी गेज रेल लाइन और त्रिपुरा में 5.46 किमी के साथ रेल लिंक की लंबाई 12.24 किमी है।

खुलना-मोंगला पोर्ट रेल लाइन परियोजना को भारत सरकार की रियायती कर्ज सुविधा के तहत 38.83 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कुल परियोजना लागत के साथ तैयार किया गया है। इस परियोजना में मोंगला बंदरगाह और खुलना में मौजूदा रेल नेटवर्क के बीच करीब 65 किमी ब्रॉड गेज रेल मार्ग का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह मोंगला ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है।

15 किमी लंबा अगरतला-अखौरा क्रॉस बॉर्डर रेल संपर्क (भारत में 5 किमी और बांग्लादेश में 10 किमी) सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देगा और ढाका के रास्ते अगरतला से कोलकाता आने-जाने में लगने वाला समय भी घटाएगा। फिलहाल, ट्रेन को अगरतला से कोलकाता पहुंचने में 31 घंटे लगते हैं, जो इस परियोजना के शुरू होने के बाद 21 घंटे रह जाएंगे।

ग्वालियर यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज में शामिल, संगीत विरासत के लिए चुना गया

ग्वालियर। मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस पर प्रदेश वासियों को एक बहुत बड़ी सौगात मिली है। प्रदेश की ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर को यूनेस्को ने अपनी क्रिएटिव सिटीज में शामिल किया है। ग्वालियर को उसकी संगीत विरासत के लिए चुना गया है। यूनेस्को ने विभिन्न कैटेगरी में दुनियाभर से सिर्फ 55 शहरों को जगह दी है। इनमें भारत से ग्वालियर को सिलेक्ट किया गया है। इसके साथ केरल के कोझिकोड को भी ये उपलब्धि हासिल हुई है। उसे 'साहित्य' श्रेणी में इस सूची में शामिल किया गया है। यूनेस्को ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी घोषणा की है। अब तक इस सूची में 100 से अधिक देशों के 350 शहरों को शामिल किया गया है।

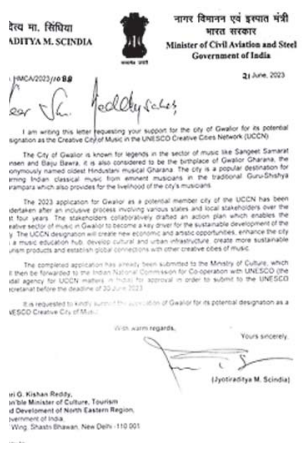

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
JYOTIRADITYA M. SCINDIA
नागर विमानन एवं इस्पात मंत्री
भारत सरकार
Minister of Civil Aviation and Steel
Government of India

21 June, 2023

I am writing this letter requesting your support for the city of Gwalior for its potential designation as the Creative City of Music in the UNESCO Creative Cities Network (UCCN).

The City of Gwalior is known for legends in the sector of music like Sangeet Samrat Tansen and Baiju Bawra. It is also considered to be the birthplace of Gwalior Gharana, the eponymously named oldest Hindustani musical Gharana. The city is a popular destination for learning Indian classical music from eminent musicians in the traditional Guru-Shishya parampara which also provides for the livelihood of the city's musicians.

The 2023 application for Gwalior as a potential member city of the UCCN has been undertaken after an inclusive process involving various states and local stakeholders over the last four years. The stakeholders collaboratively drafted an action plan which enables the creative sector of music in Gwalior to become a key driver for the sustainable development of the city. The UCCN designation will create new economic and artistic opportunities, enhance the city as a music education hub, develop cultural and urban infrastructure, create more sustainable tourism products and establish global connections with other creative cities of music.

The completed application has already been submitted to the Ministry of Culture, which will then be forwarded to the Indian National Commission for Co-operation with UNESCO (the nodal agency for UCCN matters in India) for approval in order to submit to the UNESCO Secretariat before the deadline of 30 June 2023.

It is requested to kindly support the application of Gwalior for its potential designation as a UNESCO Creative City of Music.

With warm regards,

Yours sincerely,

(Jyotiraditya M. Scindia)

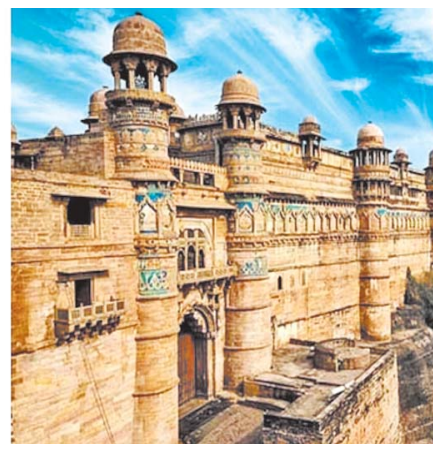

Shri G. Kishan Reddy,
Hon'ble Minister of Culture, Tourism
and Development of North Eastern Region,
Government of India,
Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001

बता दें, मध्य प्रदेश टूरिज्म विभाग ने इसका प्रस्ताव यूनेस्को को भेजा था। इस प्रस्ताव में बताया गया था कि ग्वालियर अपनी संगीत धरोहर के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। यह शहर तानसेन, बेजू बाबरा, राग रागनी, ध्रुपद के लिए प्रसिद्ध है। ग्वालियर को मिली इस सफलता पर मध्य प्रदेश टूरिज्म विभाग ने हर्ष जताते हुए आगे इस विरासत को और बढ़ाने की बात कही है। साथ ही कहा है कि प्रदेश के अन्य शहरों के प्रस्ताव भी यूनेस्को में भेजे जाएंगे।

सिंधिया ने लिखा था पत्र- केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट कर बताया कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश खासकर ग्वालियर-वासियों के लिए एक गौरव भरा ऐतिहासिक पल है। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हृश्वस्ह्नह्र द्वारा ग्वालियर को सिटी ऑफ़ म्यूजिक की मान्यता दी गई है। यह उपलब्धि हमारे अथक प्रयासों का परिणाम है। ग्वालियर की यह उपलब्धि विश्व पटल पर मध्य प्रदेश की एक नई पहचान स्थापित करेगी और विकास व रोज़गार के नये द्वार खोलेगी। सभी प्रदेश वासियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि की अनंत बधाई तथा स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सुरेंद्र पटवा और अजय सिंह को चुनाव आयोग से मिली राहत

नामांकन को लेकर आपत्ति खारिज

रायसेन। रायसेन जिले की भोजपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी और वर्तमान विधायक सुरेंद्र पटवा और सीधी जिले की चुरहट सीट से कांग्रेस उम्मीदवार को नामांकन के मामले में चुनाव आयोग से राहत मिल गई है। इनके खिलाफ सभी आपत्तियों को

खारिज कर दिया गया है। मंगलवार को इनका नामांकन फार्म होल्ड कर दिया गया था।

सुरेंद्र पटवा ने दो अलग-अलग नामांकन जमा किए थे। आरोप था कि दोनों के शपथ पत्रों में दी गई जानकारी भी अलग-अलग है। इसी सीट से तीन अलग अलग प्रत्याशियों ने रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष आपत्ति जताई थी, इसमें कांग्रेस के प्रत्याशी राजकुमार पटेल, निर्दलीय गणेश मालवीय और संयम जैन शामिल थे। तीनों ने पटवा के शपथ की जानकारी में भिन्नता होने की शिकायत की थी। जिसके बाद उनका नामांकन होल्ड कर दिया गया था।

पूर्व सीएलपी लीडर और कांग्रेस के कद्दावर नेता अजय सिंह राहुल के नामांकन फॉर्म को लेकर दाखिल की गई आपत्ति को रिटर्निंग अधिकारी ने निरस्त कर दिया है। भाजपा प्रत्याशी शरदेंदु तिवारी के अधिवक्ता प्रकाश उपाध्याय ने आपत्ति लगाई थी, रिटर्निंग अधिकारी ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद दाखिल आपत्ति को निरस्त कर दिया।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन: अब तक 25 लोगों ने की आत्महत्याएं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सर्वदलीय बैठक आज

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के समर्थन में चल रहे आंदोलन में हिंसक घटनाएं बढ़ रही हैं, और अब तक 8 जिलों तक पहुंच गयी हैं। आरक्षण के लिए मांग करने वाले लोगों ने आत्महत्या कर ली, और 9 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के बीच 25 लोगों ने अपनी जान दे दी है। यह आंकड़ा 1990 के मंडल आंदोलन के समय हुई आत्महत्याओं के आंकड़ों के बाद सबसे अधिक है।

सरकार की रिपोर्ट को मंजूरी- आंदोलन के दौरान 8 जिलों में हिंसक घटनाएं घटी हैं। महाराष्ट्र सरकार ने आंदोलनकारियों के मांगों को खारिज कर दिया है। आरक्षण के लिए आंदोलन के नेता मनोज जारंगे ने सरकार से कर्फ्यू लगाने की मांग की है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में जस्टिस संदीप शिंदे समिति की अंतरिम रिपोर्ट को मंजूरी दी गई है। सरकार ने मराठा आरक्षण की हड़ताल की मांग को खारिज कर दिया है।

आंदोलन से प्रभावित शहर- आंदोलन से प्रभावित शहरों में आगजनी की घटनाएं घटी हैं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस पर आंदोलनकारियों ने 6 किलोमीटर लंबा जाम लगा दिया। बीड, माजलगांव, उस्मानाबाद, और जालना जैसे शहरों में भी आंदोलन जारी है। यह घटनाएं दिखाती हैं कि महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन और सरकार के बीच तनाव बढ़ रहा है और आंदोलनकारियों की मांगों को लेकर सरकार से चर्चा जारी है.

भारतीय रेल की ऑन बोर्ड हाऊसकीपिंग सर्विस हुई धांधलियों का शिकार

रमेश शर्मा

भोपाल। रेल यात्रियों को सुलभ और साफ सफर मुहैया कराने के उद्देश्य से कुछ वर्षो पहले शुरू की गई ऑन बोर्ड हाऊस कीपिंग सर्विस अब लगातार धांधलियों का शिकार होती जा रही है। चलित यात्रा के दौरान कोच की सफाई, बेड रोल की सप्लाई, कोच में स्वच्छता के कार्य करना इत्यादि का कार्य इस सेवा में शामिल किया गया हैं और इन सबके लिए रेलवे ने ये काम निजी कंपनियों को सौंप रखे है। मैकेनिकल डिपार्टमेंट के तहत चलने वाली इन सेवाओं में कार्यरत् स्टाफ बेहद लापरवाह हो चुका है। सफाई में कार्यरत स्टाफ के साथ-साथ कोच अटैण्डेंट की सेवाओं में भारी लापरवाही बरती जा रही है, नतीजा ये हो रहा है कि रेल से प्रति दिन यात्रा करने वाले लाखों यात्री पर्याप्त सेवाओं से वंचित हो रहे है। ताज्जुब की बात तो ये है कि सेवा में कमी के लिए जिम्मेदार ठेकेदार पर रेल्वे मामूली जुर्माना लगाती है, मगर जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई होती ही नही है। ये सिलसिला जारी है, मगर सुधार के अवसर दिखाई नही देते है! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने कुछ वर्ष पूर्व लंबी दूरी की ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाऊस कीपिंग सर्विसेज (ओ. बी.एच. एस.) प्रदान करने का निर्णय लिया था ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि रेल कोच चौबीसों घंटे साफ सुथरी रहे। इसके साथ-साथ रेलवे बोर्ड ने ए.सी. कोच अटैण्डेंट के कार्य तथा ओ.बी.एच.एस. में युक्तिकरण तय करने के उद्देश्य से अपने सभी चीफ मैकेनिकल इंजीनियर्स को एक पत्र दि. 14.09.2017 के जरिए बोर्ड कमेटी के एक निर्णय से अवगत कराया जिसमें कोच अटैण्डेंट की ड्यूरी के बारे में विस्तृत वर्णन किया गया।

सांध्य प्रकाश विशेष

श्व्ड्डह्ड्ड कितना महत्वपूर्ण हैं कोच अटैण्डेंट बोल्ड- रेल यात्रा के दौरान उन यात्रियों के लिए कोचों के लिए अटैण्डेंट एक महत्वपूर्ण व्यक्ति होता है, जोकि ज्यादा पैसा देकर वातानुकूलित (एयर कंडीशंड) डिब्बों में सफर करते है। कोच में प्रवेश करते ही टीटीई से पहले कोच अटेंडेंट की ड्यूटी शुरू हो जाती है। अधिकांश यात्री यह मानते है कि बेडरोल और कंबल देना या छोटी-मोटी सेवाएं देना ही एक कोच अटैण्डेंट का काम होता है।

यद्यपि ये पूरी तरह से अधूरी जानकारी है। रेल्वे बोर्ड के निर्देशानुसार एक ए.सी. कोच अटेंडेंट की तीन तरह की ड्यूटी होती है; मैकेनिकल एंड ओबीएचएस ड्यूटी, इलेक्ट्रिकल ड्यूटी और जनरल ड्यूटी। मैकेनिकल ड्यूटी के तहत एक ए.सी. कोच अटैण्डेंट को बेडरोल (लाइनेन) देना,कंबल यात्री को देना, कोच में वाटर सप्लाई सुनिश्चित करना, डिब्बो को लॉक रखना और आवश्यकतानुसार खोलना, किसी भी तरह की असामान्य गति- विधियों की सूचना संबंधित स्टाफ को देना, इत्यादि ड्यूटी शामिल है। इलेक्ट्रिकल ड्यूटी के तहत विद्युत उपकरणों की जांच, आवश्यकता पडने् पर ए.सी. मैकेनिक को सहयोग देना, कोच में ग्रिल, लाइट, पंखे, मोबाइल चार्जिंग बिंदुओं की जांच करना इत्यादि। जनरल ड्यूटी में जरूरी बातें शामिल है जैसे वर्दी और बैज पहनना, अग्निशमन यंत्रो को चलाने का ज्ञान होना, यात्रियो को उनकी सुविधानुसार सहयोग करना और उनकी शिकायतों को दूर करना। कोच में भिखारी, हॉकर्स, अनाधिकृत यात्रियों को चढने् से रोकना, और भारी सामान से रास्ता बाधित करने वालों को रोकना।

ये सभी ड्यूटियां सिर्फ कागजो पर है- भारतीय रेल से यात्रा करने वाले लोगो के लिए अटेंडेंट को कोच की सफाई और कीटाणुशोधन कार्य करता होता है जिसमें उच्च गुणवत्ता का केमिकल तथा स्प्रे का उपयोग करना होता है। शौचालय की सघन सफाई के साथ डिओडोरेंट (दुर्गंध नाशक) रखना है। अहम् बात यह है कि सभी कोचेस में मच्छर भगाने के स्प्रे का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। सफाई के बाद एयर फ्रेशनर का छिड़काव आवश्यक है। कोच के फ्लोर की नियमित सफाई का पूरा प्रावधान किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान इस बात का है कि सभी रिजर्व कोच में ओ.बी.एस.एच.एस. स्टाफ की ड्यूटी लिस्ट को यात्रियों की जानकारी हेतु कोच के एक निश्चित जगह पर चिपकाना है जिसमें ठेकेदार का फोन नं. इत्यादि विवरण होना चाहिए। सभी सफाई कर्मी (जेनिटर) और उनकी इंचार्ज को सही यूनिफार्म, पहचान पत्र इत्यादि से परिपूर्ण होना चाहिए। सवाल यही है कि क्या भारतीय रेल के रिजर्व डिब्बों खास तौर से वातानूकुलित (ए.सी.) डिब्बों में नियमानुसार कार्य किए जा रहे है? इसका साफ जवाब है बिल्कुल भी नहीं। रेल में यात्रा करने वाले साफ तौर पर मानते है कि कोच की सफाई रेल के साथ हुए अनुबंध के अनुसार होती ही नही है।

- शेष पेज 8 पर

यह चुनाव विकास और विश्वास का चुनाव है: कृष्णा गौर

गोविंदपुरा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी ने वार्ड क्रं 54, मिसरोद मंडल में किया जनमिलन

गोविंदपुरा विधान सभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने मंगलवार को कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड क्रं 54, मिसरोद मंडल में सघन जनमिलन किया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी जगह-जगह लोगों से मिलीं और आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि जनता ने मुझ पर भरोसा जताया है, इस उम्मीद पर उसी तरह ईमानदारी से खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगी, जैसा पूर्व में भी मैंने पूरे गोविंदपुरा क्षेत्र के जनसामान्य की बेहतरी व समग्र विकास हेतु कार्य किए हैं।

इस अवसर पर मतदाताओं के बीच अपनी बात रखते हुए भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर ने कहा कि भाजपा ही है, जिसने समूचे भोपाल के विकास की इबारत लिखी है। आज गोविंदपुरा सहित समूचे भोपाल में जो बदलाव आ रहा है, वह आपके विश्वास और भाजपा सरकार पर भरोसे का ही प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकास और विश्वास का चुनाव है। यह चुनाव गोविंदपुरा के युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने का चुनाव है। इस चुनाव में कृष्णा गौर नहीं, बल्कि गोविंदपुरा का एक-एक नागरिक प्रत्याशी है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर आप जीत का रिकॉर्ड बनाइए और भाजपा विकास का रिकॉर्ड बनाएगी। जीत का संकल्प दिलाते हुए उन्होंने कहा कि, 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी इस बहन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कमल के फूल वाला बटन दबाकर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का मार्ग प्रशस्थ करें।

इन स्थानों पर हुआ जनमिलन कार्यक्रम: भाजपा प्रत्याशी कृष्णा गौर नें मंगलवार को वार्ड क्रं 54, मिसरोद मंडल के एनआरआई स्कूल, नवीन स्कूल, अमराई तिराहा, मुन्ना साहू के घर के पास, हनुमान मंदिर, कली मंदिर, हितकर्णी स्कूल, बाला के घर के पास, विश्वकर्मा मंदिर, मोटू होटल, प्रकाश लालवानी के घर के पास, दुर्गा मंदिर बागसेवनिया, स्टर्लिंग कैसल, कुंजन नगर फेज 2, रजत विहार, लैंडमार्क सीटी, कुंजन विहार फेज 1, बर्फानी धाम, शिव शक्ति नगर, आदर्श नगर बस्ती में जनमिलन कर जनता से संवाद किया।

हनुमान चालीसा से नम्रता के साथ आदर करने की सीख मिलती है: मुकेश महाराज

संस्कार स्कूल में हर मंगलवार को विद्यार्थियों द्वारा की जा रही हनुमान

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रात: प्रार्थना के समय हनुमान चालीस का पाठ का प्रारम्भ किया था। इसी कड़ी में मंगलवार को प्रात: प्रार्थना के समय संस्था के सचिव बसंत चेलानी, हीरो ईसरानी एवं कथा वाचक पंडित मुकेश महाराज अपनी मंडली के साथ बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए उपस्थित हुए और बच्चों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले तीन माह से हमारे विद्यालय में हनुमान चालीसा का पाठ हो रहा है अधिकतर बच्चों को हनुमान चालीसा कंठस्थ हो गई है। हीरो ईसरानी ने कहा कि सभी बच्चों को हनुमान से सेवा भक्ति की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। कथावाचक पंडित मुकेश महाराज ने कहा कि हनुमान चालीसा केवल 40 दोहों का संग्रह नहीं है बल्कि इससे हमें सीख मिलती है कि हमेषा नम्रता के साथ सबका आदर करना चाहिए। हनुमान जी को अपने बल पर जरा भी अहंकार नहीं था हमेशा सबके साथ नम्रता का व्यवहार करते थे।

प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रांतीय सम्मेलन आयोजित

भोपाल । प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ,मध्य प्रदेश भोपाल का प्रांतीय सम्मेलन आज एम पी नगर, यांत्रिकी भवन में नया पंजीयन लेने के बाद पहली बार हुआ, जिसमे प्रदेश के सारे जिलों के पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित होकर एक स्वर में पेंशनर्स की मुख्य मांगों पर चर्चा ओर विचार विमर्श किया गया। एसोसियेशन के प्रांत अध्यक्ष ओ पी बुधौलिया ओर राजेश कुमार चौबे द्वारा आज प्रदेश के मुख्य सचिव से मांग की गई है की,प्रदेश के पेंशनर्स और कर्मचारियों को केंद्रीय तिथि एवम दर से 46त्न महंगाई राहत और भत्ता , चुनाव आयोग की अनुमति प्राप्त कर दीवाली के पूर्व स्वीकृत किया जावे, ताकि प्रदेश के पेंशनर्स और कर्मचारियों द्वारा इस महंगाई में त्योहार को मनाया जा सके, साथ ही जुलाई 2023से अभी तक का एरियर्स भी दीवाली के पूर्व भुगतान करने पर मुख्य सचिव ,विचार करें।

जलवायु परिवर्तन बड़ी समस्या: प्रो. सुरेश

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में मंगलवार को बीसीसी, सिटी युनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क एवं यूएस काउंसलेट जनरल मुंबई के सहयोग से स्टुडेंट क्लाइमेट चेंज वर्कशॉप का आयोजन किया गया। विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता कुलपति प्रो.डॉ. के.जी. सुरेश ने की, वहीं मुख्य वक्ता सीयूएनवाई के रसायन विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान विभाग की प्रोफेसर परमिता सेन, ष्टहृङ्ग/ष्टक्रश्वस्ञ्ज निदेशक श्री नील फिलिप ने भी अपने विचार व्यक्त किए । कुलपति प्रो. सुरेश ने अपने अध्यक्षीय उद्बबोधन में जलवायु परिवर्तन की समस्या को बड़ी समस्या बताया । उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर इसे लेकर गंभीर चिंतन हो रहा है और इसके समाधान के बारे में चर्चा की जा रही है । प्रो. सुरेश ने विश्वविद्यालय में स्थापित मौसम स्टेशन की विशेषताओं एवं इसके महत्व के बारे में बताया ।प्रो. परमिता सेन ने कहा कि यह पत्रकारिता विश्वविद्यालय है और यूएस काउंसलेट जनरल ने आपके विश्वविद्यालय को चुना है । उन्होंने कहा कि इस समय जलवायु परिवर्तन से भारत ही नहीं बल्कि अमेरिका सहित पूरा विश्व प्रभावित है । उन्होंने मौसम स्टेशन की भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे किसानों को सीधा लाभ होगा ।

कुंजल वेलफेयर सोसायटी ने मनाई सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148 वीं जयंती को एकता दिवस के रूप में सम्पूर्ण देश मना रहा है। कुंजल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष आर एन पाटिल ने वल्लभ भवन के सामने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए सभी देशवासियों को बधाई दी और लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के तरह दृढ़ इच्छाशक्ति और दृढ निश्चय के साथ राष्ट्र धर्म निभाने का संकल्प दिलाया। देश की स्वतंत्रता के पश्चात सरदार पटेल उप प्रधानमंत्री के साथ प्रथम गृह, सूचना तथा रियासत विभाग के मंत्री भी थे। सरदार पटेल की महानतम देन थी 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण करना। लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने अपनी अदम्य साहस, अद्वितीय नेतृत्व व प्रशासनिक क्षमता के बल पर इस एकीकरण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। आज भी आवश्यकता है कि हम सब अपनी दूरदर्शिता से एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में सहभागी बने। देश के सर्वहारा और मेहनतकश वर्ग के सतत् प्रयासों का नतीज़ा है कि विश्व की सबसे ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी लगभग 182 मीटर की, देश के इस महान सपूत के साथ प्रत्येक भारतीय का मान बढ़ा रही है और उनका जन्मदिन देशभर में एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों लोगों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके द्वारा किए गए महानतम कार्यों को याद किया। संस्था की निदेशक प्रभा गौर ने उपस्थित जनसमूह को एकता दिवस के उपलक्ष्य में सभी को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान के पी कुर्मवंशी, सत्यनारायण सिंह, आर एन पाटिल, प्रभा गौर, डॉ रमेश माधव, महेन्द्र पाटीदार और अन्य वक्ताओं ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

ब्लॉक कांग्रेस ने इंदिरा गांधी एवं सरदार पटेल को याद किया

भोपाल। देश की पूर्व प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का शहादत दिवस एवं पूर्व गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दोनों महान नेताओं को याद किया गया। ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता महेश गुरबानी ने सहित कार्यकर्ताओं ने दोनों महान नेताओं को चुनाव कार्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित कर याद किय। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा की इंदिरा गांधी जी ने अपने कार्यकाल में पुरी दुनिया में भारत के नाम का डंका बजवाया पाकिस्तान के दो टुकड़े कर अलग से बंगलादेश का निर्माण कराया यहां पर उपस्थित प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की रियासतों का एकीकरण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई इस अवसर पर उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने कहा कि यह देश सदैव इंदिरा जी की शहादत एवं सरदार पटेल के योगदान को याद रखेगा यहां पर कार्यक्रम का संचालन माधु चांदवानी ने किया इस अवसर पर मुख्य रूप से घनश्याम लालवानी माधु चांदवानी जितेश खानचंदानी नरेंद्र केवलानी महेश गुरबानी सोनु तोमर अनिल टेकचंदानी ललित नेभवानी लक्षमदास वासवानी उपस्थित थे

मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक कर वोट करने का दिया संदेश

भोपाल। वोट एक कानूनी हक़ है और ये हक़ सबको एक जैसा हासिल है अमीर और ग़रीब के वोट की एहमियत में कोई फ़र्क़ नही सब का बराबर हक़ है और जमुरियत कि ये खूबी और खूबसूरती ये है कि अवाम को हर पांच साल में ये हक़ मिलता है कि वो अपनी पसंद का उम्मीदवार लीडर चुने और अपने हक़ वोट को पूरी तरहां फिक्र के साथ अपनी राय वोट के ज़रिए दें वोट का इस्तेमाल करें। जमीअत उलमा दुवारा प्रदेश अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून साहब के मार्गदर्शन में मतदान जागरूकता मुहिम चलाई जा रही है जिसके तहत जमीअत उलमा मध्यप्रदेश के प्रेस सचिव हाजी मोहम्मद इमरान ने आगमी चुनाव को देखते हुए मतदाता जागरूकता मुहिम शुरू की है जिसके लिए जगह जगह समझाइश कार्यक्रम रैली कमरा बैठक आदि आयोजित कर मतदान करने के लिए जागरूक किया जा रहा है एवं मतदाताओं को मतदान करने की अपील की जा रही है जमीअत उलमा मध्यप्रदेश की इस नई पहल से जन जन तक ये मुहिम चलाई जा रही है । इस मौके पर जमीअत उलमा के पदाधिकारी मोहम्मद कलीम एडवोकेट, हाजी मोहम्मद इमरान हारून, मुजाहिद मोहम्मद खान, मुफ़्ती मोहम्मद राफे,हाजी मोहम्मद हनीफ़ अय्यूबी, इस्माईल अन्य पदाधिकारी मतदाता जागरूकता अभियान चला रहे हैं । एक नवम्बर मतदाता जागरूकता अभियान गांधी नगर में 12 बजे से चलाया जाएगा।

एलएनसीटी सीबीएसई क्लस्टर 12 एथलेटिक इवेंट का किताब क्राइस्ट चर्च स्कूल जबलपुर के नाम

भोपाल। एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल भोपाल द्वारा आयोजित सीबीएसई क्लस्टर 12 एथलेटिक चैंपियनशिप के अंतिम दिन अंडर 14 100 मी रेस में मैक्रो विज़न अकादमी बुरहानपुर के राजदीप गुप्ता ने प्रथम स्थान आर्मी पब्लिक स्कूल बैरागढ़ भोपाल के अमन प्रताप सिंह ने दूसरा स्थान संत साइ आसाराम जी गुरुकुल हाई सेकेंडरी स्कूल छिंदवाड़ा के पंकज कुमार सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बॉयज अंडर 17 100 मीटर रेस में सेंट गेब्रियल हाई सेकेंडरी स्कूल जबलपुर के योगेश रजक ने पहला स्थान चोइथराम स्कूल इंदौर के मंथन काग ने दूसरा स्थान ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल रीवा के अजीत शुक्ला ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बॉयज अंडर-19 100 मीटर रेस में एसएनएम हाई सेकेंडरी स्कूल होशंगाबाद के मोक्ष यादव ने प्रथम स्थान, एस एल मेमोरियल गुना के वेदांत छाबड़ा ने दूसरा स्थान वेन्यू पब्लिक स्कूल जीवाजी गंज ग्वालियर के देवांश यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के बाद प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण आज के मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सीईओ के के उपाध्याय जी सीबीएसई ऑब्जर्वर जॉन्सी कोसी, स्कूल प्राचार्य चैतन्य सक्सेना,स्कूल मैनेजर शोभा चौकसे एवं सचिव सागर रैकवार जैन सिटी कॉलेज के डीन बी एल राय,प्रोफेसर मोहित पांड्या द्वारा किया गयइस अवसर पर सभी खिलाड़ी कोचेस और एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल का स्टाफ उपस्थित रहा।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में अटल टिंकरिंग एंड रोबोटिक्स एआई लैब का उद्घाटन

भोपाल। परमहंस संत हिदाराम साहिबजी के आशीष एवं श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के मार्गदर्शन में शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में मंगलवार को अटल टिंकरिंग एंड रोबोटिक्स एआई लैब का उद्घाटन डॉ शिबन वरीकू एवं श्रीमती डॉ. नन्?ना वरीकू के कर कमलों द्वारा किया गया। यह लैब उन्हीं के सहयोग से स्थापित हुई है. लैब में कम्प्यूटर्स, लैपटॉप्स 75 इंच के एलईडी इंटरएक्टिव पैनल, थ्री डी प्रिंटर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल मटेरियल से विद्यार्थियों को कोडिंग, आर्टिफिशल इंटेलीजेंस एवं रोबोट्स से प्रयोग करवाए जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि डॉ शिबन वरिकू अमेरिका के सुप्रसिद्ध यूरोलोजिस्ट हैँ और सेवा सदन द्वारा लगाई जाने वाली नि:शुल्क यूरोलोजी केम्पो में भी अपनी सेवाएं देते हैँ. उन्होंने नव युवक परिषद के कई विद्यार्थियों को भी नि:शुल्क शिक्षा हेतु गोद लिया हुआ है. साथ ही वे जीव सेवा संस्थान की कई कल्याणकारी योजनाओं में भी सहयोग करते हैं। इस अवसर पर डॉ शिबन वरिकू ने कहा कि अटल टिंकरिंग एंड रोबोटिक्स एआई लैब का उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी एवं विज्ञान विषय के प्रति सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान को जोड़ना है जिसके माध्यम से विद्यार्थी भावी जीवन में विज्ञान विषय में कौशल प्राप्त कर पाएँगे और उनके लिए रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे. लैब में कोडिंग, रोबोटिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से विद्यार्थियों को रूबरू करवाया जायेगा जो कि आज के वक्त की ज़रूरत है। देश की नई शिक्षा नीति भी इसी दिशा में बनाई गई है. कृत्रिम रूप से विकसित बौद्धिक क्षमता से कंप्यूटर सिस्टम या रोबोटिक सिस्टम बनाए जाते हैं जो तार्किक और तर्कसंगत कौशल के आधार पर चलते हैं। आशा है, लैब से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और उनका मस्तिष्क वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्राप्त करेगा।

सिद्ध भाऊ ने लैब के उद्घाटन पर विद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए अपने संप्रेषित संदेश में कहा कि मानव मस्तिष्क को विज्ञान के क्षेत्र में प्रयोग कर मानव जीवन को संपन्नता से पूर्ण किया जा सकता है।

इस अवसर पर संस्था सदस्यगण सर्वश्री हीरो ज्ञानचंदानी, ए सी साधवानी, के एल रामनानी, घनश्याम बूलचंदानी, महेश दयारामानी, भगवान दामानी, गोपाल गिरधानी, भगवान बाबानी, थावर वरलानी, प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, उप प्राचार्य, आशा चंगलानी, पत्रकारगण, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे. शिक्षकगणों सर्वश्री सन्नी नागवानी, ब्रजेश चौरे, अंकित यादव जो कि लैब द्वारा विद्यार्थियों को प्रायोगिक ज्ञान देते हैं, ने लैब के कई पहलुओं से अवगत कराया।

भोपाल। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस को लेकर विधानसभा भवन एवं मंत्रालय पर आकर्षक विद्युत साज सज्जा की गई है।

कांग्रेस का विकास से लेना देना नहीं : शिवराज सिंह

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को जावद, गरोठ, जावरा सहित कई जगह भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में की चुनावी जनसभाएं

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को जावद, गरोठ, जावरा, महिदपुर, सुसनेर, सांवेर और देपालपुर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पहले भी 2003 तक मिस्टर बंटाढार ने पूरे प्रदेश को लूटा और बर्बाद कर दिया और सवा साल में कमलनाथ जी ने भी प्रदेश को लूट का अड्डा बना दिया था। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस नेता अब पहचान भी छुपा रहें हैं। दिग्विजय-कमलनाथ को जय-वीरू जोड़ी कहा जा रहा हैं, लेकिन अभी जय-वीरू की जोड़ी में खटपट चल रही है। दोनों को दिल्ली मीटिंग में बुलाया गया है। दिग्विजय कह रहे थे कोई झगड़ा नहीं है। कांग्रेस के जय और वीरू आपस में झगड़ रहे हैं। जय और वीरू तो लूटते ही थे, उनका झगड़ा ही लूट के माल के लिए होता है। ये लोग कभी भी प्रदेश और जनता का भला नहीं कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, कांग्रेस धन्य हैं, और सेठ कमलनाथ जी ने तो खूब चमत्कार किए, लेकिन उन्हें सेठ कहा तो वो चिढ़ गये। कहने लगे मुझे उद्योगपति कह रहे हो, अब उद्योगपति न कहू तो क्या उन्हें मजदूर कहूं। कमलनाथ जी खुद ही कहते हैं कि, मैं निजी विमान से घूमता हूं। निजी विमान किसके पास होता है किसान के पास तो नहीं होता है। कमलनाथ कभी किसी के खेत में उतरे नहीं है, किसान का दुख-दर्द कभी देखा नहीं है। एक पांव देश में तो एक पांव विदेश में रहता है, आप सेठ नहीं हो तो क्या हो..?

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, कमलनाथ जी का मध्यप्रदेश से लगाव ही नहीं है, उनका नरा मध्यप्रदेश में गढ़ा ही नहीं है, वो मध्यप्रदेश को बदनाम करते हैं। चौपट प्रदेश कहना मध्यप्रदेश का अपमान है। यह मध्यप्रदेश की जनता का अपमान है। कमलनाथ पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा अगर शिवराज से राजनैतिक बैर है तो आप मेरा अपमान करो मुझे गालियां दो, मध्यप्रदेश का अपमान क्यों करते हो..? प्रदेश को चौपट बताना और देश को बदनाम कहना ये प्रदेश और देश का अपमान है। जिसे जनता सहन नहीं करेगी। उन्होंने कहा ये वो धरा है, जहां धन संपदा, वन संपदा, खनिज संपदा, जन संपदा, प्राकृतिक संसाधन, यहां के भोले-भाले लोग रहते हैं, इनको चौपट कहते हो इसके पहले भी कमलनाथ जी ने भारत को बदनाम कहकर देश का अपमान किया है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, जंगल में शिकारी आता है, दाना डालता है, जाल बिछाता है और पक्षियों को पकड़कर ले जाता है। ऐसे ही कांग्रेसी आएगा, जाल बिछाएगा, लेकिन तुम जाल में मत फंसना। उन्होंने कहा कि, वैसे तो कांग्रेस की सरकार आएगी नहीं, लेकिन आ गई तो ना लाडली रहेगी और ना ही बहना रहेगी। उन्होंने कहा कि सवा साल में कमलनाथ ने गरीब बहनों के लड्डू तक छीन लिए थे। उन्होंने संबल योजना, तीर्थ दर्शन योजना, बच्चों के लैपटॉप और साईकिलें भी छीन ली थी। चौहान ने रतलाम के जावरा में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में जितना विकास भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है कभी कांग्रेस ने किया था क्या..? ऐसी सड़कें कभी कांग्रेस ने बनाई थी क्या..? कांग्रेस को विकास से कोई लेना-देना नहीं है। विकास में उनका विश्वास ही नहीं है। सवा साल के लिए कांग्रेस की सरकार आई थी लेकिन कांग्रेस ने विकास नहीं महाविनाश करने का काम किया है। कांग्रेस के नेताओं का मध्यप्रदेश से भावनात्मक रिश्ता नहीं है। वहीं उन्होंने कहा कि, मध्यप्रदेश बदल गया है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी देश में विकास के रिकॉर्ड बना रहें हैं और दूसरी तरफ विकास के मामले में आज मध्यप्रदेश हिंदुस्तान में नंबर 1 के राज्यों की श्रेणी में खड़ा हो गया है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उज्जैन के महिदपुर में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने नवरात्री में कन्या पूजन करवाया तो दिग्विजय सिंह कहते है कि मुख्यमंत्री नाटक-नौटंकी कर रहे हैं, उन्हें बहनों का पूजन नाटक-नौटंकी लगता है। कमलनाथ ने हमारी सम्मानित मंत्री को आइटम कहा था। दिग्विजय ने बहन को टंच माल कहा था। मेरे लिए माँ, बहन और बेटी का पूजन माँ की सेवा है। शिवराज का शीश तो हमेशा बहन और बेटी के आगे झुका ही है। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी बनाकर बेटियों को हमने वरदान दिया। स्थानीय निकाय के चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण बहनों को दिया। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बहनों की जिन्दगी बदलने की योजना है। हमारी सरकार ने बहनों को पैसा नहीं सम्मान दिया है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि को बढ़ाकर धीरे-धीरे 3 हजार रुपये तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की हर बहन को लखपति बनाना है। स्व-सहायता समूह के माध्यम से बहनों की आमदनी प्रतिमाह 10 हजार रुपये करने का संकल्प है। ये भाजपा की सरकार है, 1250 रुपये बहनों को मिल रहे है तो किसान भाइयों को भी 1 हजार रुपये हर महीने मिल रहे है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विशाल चुनावी सभा में जनसमूह से अपील करते हुए कहा कि, भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से जिताना है, भारतीय जनता पार्टी ही एक मात्र पार्टी है जो जनहित की कल्याणकारी योजनाएं चलाकर गरीबों का कल्याण करती है और हर क्षेत्र में विकास के कार्य करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है, और मध्यप्रदेश भी उनके मार्गदर्शन में विकास पथ पर अग्रसर है, विकास की इस गति को बनाएं रखना है। भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से जिताना है।

कांग्रेसियों को दिखाई नहीं देते सुरखी विधानसभा में हुए विकास कार्य: गोविन्द सिंह राजपूत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भाजपा प्रत्याशी ने 1 दर्जन गांवों में पहुंचकर लिया जनता का आशीर्वाद

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में अब पेयजल की समस्या लगभग खत्म हो गई है। भाजपा सरकार और मैंने गांव-गांव में पानी की टंकिया बनवाकर घर-घर पानी पहुंचाने का काम किया है। जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई वह मैंने 15 महीने में ही करा दिए हैं। आज सुरखी की हालत बदल गई है। क्षेत्र में जहां सड़कों का जाल बिछ गया है वहीं स्वास्थ सेवाओं में भी वृद्धि हुई है। स्कूल कॉलेज के भवनों का निर्माण कराया है, इसके अलावा युवाओं को प्रदेश सरकार की सीखो कमाओ योजना के तहत प्रशिक्षण देकर काबिल बनाकर रोजगार देने का काम भी किया जा रहा है। हमारी मंशा है कि आने वाले दिनों में सुरखी विधानसभा के विकास के लिए वह सब कदम उठाये जायेगें जो यहां के लिए जरूरी है। देश में भाजपा की सरकार है ही प्रदेश में भी भाजपा की सरकार बन रही है। जब डबल इंजन की सरकार होंगी तो विकास के कार्य तेजी से होंगे। यह बात सुरखी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी गोविन्द सिंह राजपूत ने कही। राजपूत मंगलवार को क्षेत्र के ग्राम हिनोतियाखुर्द, दरकोली, खैजरामाफी, बेहटा अलीनगर, नानदवारा, भबूकावारी, पेखलोन, ढेकरी और महूनागूजर में जनसंपर्क कर रहे थे। जनसंपर्क के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामवासियों ने गोविन्द सिंह का फूल माला से पहनाकर का स्वागत किया। कई गांवों में उत्साहित युवाओं की टोली ने जबरजस्त आतिशबाजी की। गोविन्द सिंह राजपूत ने कहा कि पहले आप जब गांव से शहर की ओर आते थे तो कई घंटों का समय खराब होता था। कीचड़ से सराबोर सड़कों से होकर गुजरना पड़ता था ,लेकिन आज भाजपा सरकार और मैंने सुरखी के गांव-गांवा में पक्की सड़कों का जाल बिछा दिया है, इससे आवागमन तो सुलभ हुआ ही है साथ ही किसानों को अपनी उपज मंडियों तक लाने में सुविधायें मिली हैं। भाजपा उम्मीदवार गोविंद सिंह ने कहा कि कोरोना काल विकास कार्यों का दो साल लील गया। भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि कांग्रेस एक सिंचाई योजना नहीं दे सकी हमने किसानों के लिए सिंचाई परियोजनाएं, जलाशय बनवाए जिससे सिंचाई का रकबा बढ़ा है। गोविंद सिंह ने कहा मैने एक सेवक के रूप में क्षेत्र की सेवा की है। भाजपा उम्मीदवार गोविंद सिंह ने कहा कि मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि आने वाले समय में और मेरा परिवार आपकी सेवा करता रहेगा। गावों में जनसंपर्क के दौरान गोविंद सिंह महिलाओं, बुजुर्गो, पुरषों से आशीर्वाद ले रहें हैं और युवाओं का साथ भी उन्हें मिल रहा है

महिला मोर्चा की प्रवासी कार्यकर्ताएं कर रही जनसंपर्क

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा विधानसभा चुनाव में बूथ स्तर तक चुनाव प्रचार में जुटा हुआ है। चुनाव में महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तरप्रदेश से आयी प्रवासी बहनों द्वारा प्रदेश की सभी विधानसभाओं में स्वसहायता समूह और लाड़ली बहना योजना की हितग्राही बहनों से संपर्क कर रही है। मोर्चा की बहनें भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए गये कार्यों को लेकर घर घर पहुँच रही है। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया ने बताया की 10 संभाग प्रभारी बहनें, मोर्चा की जिला अध्यक्ष बहनें, विधानसभा प्रभारी और प्रवासी बहनें प्रतिदिन सतत घर-घर संपर्क कर रही है। मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारी और जिलों की पदाधिकारी बहनों के साथ महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तरप्रदेश से आयी महिला मोर्चा की प्रवासी कार्यकर्ता स्व सहायता समूह की बहनों से सतत संपर्क कर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने की अपील कर रही है। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया 1 नवम्बर को हरदा जिले के टिमरनी प्रवास पर रहेगी। इस दौरान माया नारोलिया पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में स्वसहायता समूहों की बहनों से संपर्क कर घर घर भारतीय जनता पार्टी के लिए वोट करने की अपील करेंगी।

नरेला से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला का नामांकन निरस्त करने की मांग

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने सीधी जिले के चुरहट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अजय सिंह राहुल द्वारा नामांकन पत्र के साथ ऑनलाइन जमा किए गए अचल संपत्ति संबंधी शपथ-पत्र की निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है। चुरहट विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ की शिकायत पर जवाब मांगा। अजय सिंह ने जवाब देने के लिए एक दिन का समय मांगा है। निर्वाचन अधिकारी ने जवाब देने के लिए एक नवंबर तक समय दिया है। वहीं भोपाल जिले के नरेला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला के शपथ पत्र में शासकीय देनदारियों और परिवार सहित जानकारी छिपाने की शिकायत निर्वाचन अधिकारी से की है।

भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ ने आज नामांकन पत्रों की जांच के दौरान सीधी जिले चुरहट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अजय सिंह के नामांकन पत्र के साथ जमा किए गए शपथ-पत्र को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। आपत्ति में बताया गया कि कांग्रेस प्रत्याशी अजय सिंह द्वारा जमा किए गए शपथ-पत्र में स्वयं और पत्नी की अचल संपत्ति संबंधी बनावटी शपथ पत्र प्रस्तुत किया है। वहीं निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप में शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। कुछ कॉलम भी रिक्त रखे गए हैं। भाजपा की शिकायत के बाद चुरहट के निर्वाचन अधिकारी ने अजय सिंह से जवाब मांगा। अजय सिंह ने जवाब देने के लिए समय मांगा। निर्वाचन अधिकारी इस मामले में एक नवंबर को सुबह सुनवाई करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ ने भोपाल जिले के नरेला विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला के नामांकन पत्र को निरस्त किए जाने की मांग की है। भाजपा ने निर्वाचन आयोग की की गई शिकायत में बताया है कि मनोज शुक्ला ने शासकीय देनदारियों और परिवार की सही जानकारी शपथ पत्र में नहीं दी है। मनोज शुक्ला पर आयकर विभाग की बकाया आयकर राशि 2,45,57,303 रूपए देना बकाया है।

भोपाल। फोटोग्राफी में लगातार कार्य करने के 75 वर्ष पूर्ण करने पर जेपी कौशल को लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

नगर निगम के 8 कर्मचारी सेवानिवृत्त

भोपाल। नगर निगम, भोपाल के 08 कर्मचारी अपनी सेवा अवधि पूर्ण कर निगम सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में सेवानिवृत्त हुए नि.श्रे.लि. दिलीप कृष्णानी, बंधानीगण सर्व सईद, लीलाधर, अब्दुल रफीक, सुरेश, उप स्वास्थ्य पर्यवेक्षक श्री किरण कुमार, श्रमिक वहीद खां तथा सफाई मित्र मीराबाई को शाल-श्रीफल, प्रषस्ति पत्र एवं मिष्ठान भेंट कर ससम्मान बिदाई दी और उनके सुखमय जीवन की कामना की। इस मौके पर सेवा निवृत्त अधिकारी/कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष एस. नजीर अहमद के अलावा शमीम कुरैशी, आनंद कुमार फूलवानी, संपतराव पवार, राजेन्द्र सक्सेना, अब्दुल रकीब खां, हसन तैयब सहित निगम के अन्य कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह : एम्स में साइकिल रैली निकाली

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के सिलसिले में आज सुबह 7 बजे एक साइकिल रैली निकाली गई। एम्स, भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया जो एम्स परिसर के विभिन्न स्थानों से होती हुई निदेशक आवास पर संपन्न हुई। साइकिल रैली में एम्स, भोपाल के संकाय सदस्य कर्मचारी और छात्रों सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित थे।

एम्स, भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने स्वास्थ्य देखभाल और अनुसंधान संस्थानों में सतर्कता और नैतिक व्यवहार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी को भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी वातावरण के प्रति अपने समर्पण में दृढ़ रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

एम्स में न्यूरोसर्जरी के दौरान मरीज ने बजाया पियानो: एम्स भोपाल के न्यूरोसर्जरी विभाग में जिला-बक्सर, बिहार के एक 28 वर्षीय पुरुष के ब्रेन ट्यूमर का अवेक क्रैनियोटॉमी ऑपरेशन किया गया। पूरे ऑपरेशन के दौरान मरीज पूरी तरह होश में था और बातें भी कर रहा था। मरीज के दिमाग का ट्यूमर मोटर क्षेत्र के बेहद करीब था और सामान्य एनेस्थीसिया में ऑपरेशन करने पर कमजोरी विकसित होने की अधिक संभावना थी इसलिए ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था। मरीज बार-बार दौरे पड़ने की समस्या लेकर न्यूरोसर्जरी ओपीडी में आया था। उसे संपूर्ण मूल्यांकन के लिए अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। प्रो. अमित अग्रवाल, डॉ. आदेश श्रीवास्तव, डॉ. सुमित राज और डॉ. प्रदीप चौकसे द्वारा अंतर्विभागीय बैठक आयोजित की गई और हाथ-पैरों की कमजोरी के जोखिम को कम करने के लिए अवेक क्रैनियोटॉमी करने का निर्णय लिया गया। डॉ. सुमितराज ने डॉ. अमोल मित्तल और डॉ. रंजीत के साथ निलकर इस ऑपरेशन को किया। सर्जरी के दौरान मरीज होश में था। क्रैनियोटॉमी के बाद ट्यूमर देखा गया। जब ट्यूमर को बाहर निकाला गया, उसी समय मरीज को पियानो बजाने के लिए कहा गया। प्रक्रिया के दौरान मरीज से लगातार बातचीत होती रही. प्रक्रिया के अंत में रोगी अपने अंगों को भी हिला रहा था। इस ऑपरेशन में एनेस्थीसिया टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें डॉ. आशुतोष कौशल और डॉ. अनुपमा शामिल थे।

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। अवेक क्रैनियोटॉमी एक इंट्राक्रानियल सर्जिकल प्रक्रिया है जिसमें घाव की मैपिंग और रीसेक्शन के लिए जहां सर्जरी के दौरान मरीज को जानबूझकर जगाया जाता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, यह प्रक्रिया तेजी से लोकप्रिय हुई और इसके परिणाम भी बेहतर आते हैं।

स म्पा द की य

राजनीतिक दल बनाम आम आदमी...

आखिर राजनीतिक पार्टियों ने अपने आप को आम आदमी से अलग कर ही लिया। सरकारों को आम लोगों की कमाई के एक-एक पैसे का हिसाब चाहिए लेकिन राजनीतिक पार्टियों के चंदे का हिसाब कोई नहीं देना चाहता। राजनीतिक चंदे पर पार्टियाँ, यहाँ तक कि सरकारें भी सब कुछ छिपाना चाहती हैं। दबंगता देखिए कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कह दिया कि राजनीतिक दलों के चंदे के बारे में जानने का अधिकार जनता को नहीं है।

सरकार की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1ए) के अंतर्गत कुछ भी और सब कुछ जानने का कोई सामान्य हक नहीं है। सही है, लेकिन ऐसा कानून चंदे पर तो कम से कम लागू नहीं होना चाहिए। यह अनुच्छेद सरकार की गोपनीय चीजों और रक्षा संबंधी मामलों के लिए है। गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स' यानि एडीआर की ओर से न्यायालय में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना राजनीतिक दलों को चंदे के स्रोत के बारे में सूचना पाने के नागरिकों के अधिकार को कमजोर करता है, जो संविधान के अनुच्छेद 19 (1)(ए) के तहत प्रदत्त मूल अधिकार है।

योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दलील पेश करना शुरू करते हुए, भूषण ने कहा कि यह ''अपारदर्शी'' और ''अनाम माध्यम'' देश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है तथा यह मानने का एक अच्छा कारण है कि ये बॉन्ड सत्तारूढ़ दलों को रिश्वत के रूप में दिए जा रहे हैं। उन्होंने पीठ से कहा, ''ज्यह (चुनावी बॉन्ड) इस देश में लोकतंत्र को नष्ट करता है क्योंकि यह सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों तथा निर्दलीय उम्मीदवारों को समान अवसर उपलब्ध नहीं कराता।''

पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा हैं।

प्रशांत भूषण ने एक 'चार्ट' का हवाला दिया और कहा कि 2021-2022 तक चुनावी बॉन्ड के माध्यम से प्राप्त पार्टी-वार चंदा के रूप में, भाजपा को 5,271 करोड़ रुपये मिले, जबकि कांग्रेस को 952 करोड़ रुपये मिले, जैसा कि ऑडिट रिपोर्ट में घोषित किया गया है। उन्होंने 2021-2022 तक की अवधि के दौरान चुनावी बॉन्ड के माध्यम से अन्य राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त चंदे के बारे में भी आंकड़ों का उल्लेख किया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस को 767 करोड़ रुपये, राकांपा को 63 करोड़ रुपये और आम आदमी पार्टी को 48 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''सर्वाधिक चंदा केंद्र या राज्यों में सत्तारूढ़ दलों को मिला है।'' न्होंने कहा कि जो पार्टियां सत्ता में नहीं हैं उन्हें ज्यादा चंदा नहीं मिला। भूषण ने कहा, ''यह लोकतंत्र को नष्ट कर देगा। पहले से ही हमारा लोकतंत्र लगभग पैसे का खेल है। यह पैसे का खेल बन गया है।''

याचिका में यह दलील दी गई कि धन बल या धन का असमान इस्तेमाल स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा को नष्ट कर देता है, जो एकदम सही कही जा सकती है। भूषण ने कहा कि लगभग सारे चुनावी बॉन्ड केवल सत्तारूढ़ पार्टियों द्वारा प्राप्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के सभी चंदे का पचास प्रतिशत से अधिक केंद्र में सत्तारूढ़ दल को मिला, और बाकी रकम राज्यों में सत्तारूढ़ दलों को मिली है। दिन भर चली सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा, ''चुनावी वित्तपोषण एक बड़ा मुद्दा है। यह बहुत आसान चीज नहीं है। यह एक पेचीदा मुद्दा है।''

याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि पूंजी और प्रभाव साथ-साथ रहते हैं और चुनावी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि यह सभी प्रतिभागियों को समान अवसर प्रदान करे। उनका कहना था कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संविधान का मूल ढांचा है। उनका यह कहना भी सही है कि राजनीतिक चंदे के लिए संविधान के इस अनुच्छेद का दुरुपयोग ठीक नहीं है। चुनावी बॉन्ड के बारे में सरकार ने कहा कि यह पारदर्शी है और इससे भ्रष्टाचार ख़त्म हो रहा है, जबकि हक़ीक़त में ऐसा क़तई नहीं है। दरअसल, चुनावी बॉन्ड क़ानून के तहत चंदा देने वाला व्यक्ति या संस्था, एसबीआई के बॉन्ड डिजिटल पेमेन्ट के ज़रिए ख़रीदता है और राजनीतिक पार्टियों को चंदे के रूप में देता है। लेकिन बैंक या फिर ये राजनीतिक पार्टियाँ चंदा देने वाले का नाम बताने के लिए बाध्य नहीं है।

ऐसे में इन्कम टैक्स रिटर्न के मार्फ़त सरकार को तो सबकुछ पता चल जाता है लेकिन लोगों को पता नहीं चल पाता कि किस पार्टी को किस उद्योगपति ने कितना चंदा दिया। या इतनी बड़ी मात्रा में चंदा लेकर वह सरकार चंदा देने वाले उस उद्योगपति का किस तरह और कितना भला करने वाली है। कुल मिलाकर पारदर्शिता बिल्कुल नहीं है। सरकारों और राजनीतिक दलों ने चुनावी बॉन्ड को पारदर्शिता के हौवे के रूप में खड़ा कर रखा है। यह कोरा झुनझुना भर है। इसमें खुलेपन का नामोनिशान तक नहीं है। सरकारों की बात करें तो वे इस तरह के चंदे का समर्थन इसलिए करती रही हैं ताकि सत्ता दल को सबसे ज़्यादा चंदा मिल सके। साफ है सबसे ज़्यादा चंदा सत्ताधारी दल को ही मिलता रहा है। विपक्ष में बैठी पार्टियाँ भला किसका, क्या भला कर पाएँगी?

सुप्रीम कोर्ट में अटार्नी जनरल द्वारा दिए गए तर्क अजीब हैं। वे कहते हैं कि वोटर को चंदे के बारे में सबकुछ जानने का कोई हक नहीं बनता। सवाल यह उठता है कि आखिर हक़ किसे है? क्या वोटर या आम नागरिक केवल अपना अमूल्य वोट देकर सरकार बनाने और राजनीतिक दलों के नेताओं को कुर्सी पर बैठाने के लिए ही बना है? कौन सा दल किस उद्योगपति से एहसान का चंदा लेकर सत्ता में जा बैठा है, यह जानना महत्वपूर्ण नहीं है? क्या सारी चौकसी और तमाम पहरेदारी केवल आम आदमी पर ही लगाई जाएगी? आखिर उसके बारे में सब कुछ जानने का हक़ सरकार को किसने और क्यों दिया? क्या राजनीतिक दल किसी आसमान से टपके हैं जो तमाम क़ानूनों और नियमों से हमेशा ऊपर ही बने रहते हैं?

देखा जाए तो राजनीतिक चंदे के लिए संविधान के अनुच्छेद का दुरुपयोग ठीक नहीं है। चुनावी बॉन्ड के बारे में सरकार ने कहा कि यह पारदर्शी है और इससे भ्रष्टाचार खत्म हो रहा है। जबकि हकीकत में ऐसा कतई नहीं है। पार्टियों को इतना अधिकार लोकतंत्र के एकदम खिलाफ ही कहा जाएगा। इससे लोकतंत्र की आत्मा पर ही हमला हो रहा है। और यहां एक बात और साफ हो रही है, वो ये कि राजनीतिक दल अपने आप को आम आदमी से अलग साबित कर रहे हैं। लोकतंत्र में तो आम आदमी के अधिकार अधिक होना चाहिए, लेकिन यहां आम आदमी के अधिकारों पर अतिक्रमण हो रहा है। यह लोक तंत्र को राजतंत्र की ओर ले जाने का प्रयास तो नहीं हो रहा? अब मामला न्यायालय के अधीन है, उसका फैसला क्या होता है, यह देखना होगा। फिर भी सरकार और राजनीतिक दलों के मंसूबे तो कम से कम ठीक नहीं दिखते। और ये चुनावों के दौरान दलबदल से लेकर चुनाव प्रचार और चुनावी प्रक्रियाओं को गौर से देखें तो ये बात और भी साफ हो जाती है।

राजनीतिक दलों पर मनीट्रेल का शिकंजा

सरयूसुत मिश्र

सर्वोच्च अदालत में ईडी ने तो यहां तक कहा है कि शराब घोटाले की रिश्वत का आम आदमी पार्टी द्वारा गोवा चुनाव में उपयोग किया गया, जिसके कारण आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जा रहा है. घोटाले में मनीष सिसोदिया और आप सरकार की लिप्तता और रिश्वत की मनीट्रेल के चलते ही उनकी जमानत याचिका रद्द की गई है. इसके बाद ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए समन जारी किया है.

चुनावी अभियानों पर भी ईडी का कानूनी शिकंजा मध्यप्रदेश सहित पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों और नेताओं को डरा रहा है. मध्यप्रदेश में तो कांग्रेस के जिम्मेदार नेता यह दावा कर रहे हैं कि राज्य में ईडी छापा मारने वाली है. आम आदमी पार्टी का तो मध्यप्रदेश का पूरा चुनावी अभियान ही प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की जा रही शराब दलाली की जांच में उलझ गया है.

एक तरफ चुनाव आयोग की सक्रियता के कारण भी चुनावी प्रचार का शोर धीमी गति से चल रहा है. झंडा बैनर और चुनावों का हो हल्ला शांति धारण किए हुए है. ऐसा लग रहा है कि चुनावों के प्रति एक निराशा का माहौल बना हुआ है. अभी तक प्रत्याशी चयन में सभी दल जुटे हुए थे. अब बगावतियों और असंतुष्टों को मनाने में पूरी ताकत लगी हुई है. पार्टियों द्वारा चुनावी प्रबंधन के लिए प्रत्याशियों को धन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया ईडी की खुफिया नजर में है. कालेधन की ट्रेल की संभावनाओं के सभी रास्तों पर एजेंसियों की सख्ती राजनीतिक दलों के चुनावी खर्च प्रबंधन को प्रभावित करती दिखाई पड़ रही है.

मध्यप्रदेश में कांग्रेस से जुड़े सूत्र पर भरोसा किया जाए तो ऐसा पहली बार हो रहा है जब प्रत्याशियों को पार्टी की ओर से दिए जाने वाला सहयोग केंद्रीय स्तर से सीधे उम्मीदवारों के बैंक खातों में दिया जा रहा है. पार्टी सभी प्रत्याशियों से खातों की जानकारी लेकर दिल्ली भेजने में जुटी है. दिल्ली से सीधे पैसा प्रत्याशियों को दिया जाएगा. पिछले चुनाव के दौरान एक हवाला कारोबारी के यहां छापों के बाद चुनाव में वित्तीय प्रबंधन को लेकर काले धन के उपयोग के पेपर सामने आए थे. शराब घोटाले और उससे अर्जित रिश्वत को आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा चुनावी अभियान में उपयोग पर कसे कानूनी शिकंजे से सभी राजनीतिक दल डरे हुए हैं.

नोटबंदी के बाद जिस तरह से राजनीतिक दलों की वित्तीय प्रबंधन की स्थितियां गड़बड़ाई थी. ठीक उसी तरह इस बार फिर डिजिटल पेमेंट और पारदर्शी मनीट्रेल की वित्तीय व्यवस्था के कारण राजनीतिक पार्टियों को वित्तीय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, उनमें से राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के घरों पर ईडी द्वारा छापे डाले जा चुके हैं. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे को ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है. इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले की जांच में छापे डाले गए और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जुड़े कई करीबियों को गिरफ्तार भी किया गया है. तेलंगाना में भी दिल्ली के शराब घोटाले की गूंज पहुंची हुई है. तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी भी ईडी की रडार पर है.

अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से ईडी की पूछताछ के बाद राजनीतिक दलों द्वारा काले धन और रिश्वत से अर्जित राशि के उपयोग का मामला देश की राजनीति में निर्णायक मोड़ की तरफ़ बढ़ रहा है. आप की ओर से आरोप लगाया जा रहा है कि बीजेपी उनकी पार्टी को खत्म करना चाहती है. यह तो माना जा सकता है कि कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक सोच काम कर रही हो लेकिन यह नहीं माना जा सकता कि न्यायिक सक्रियता के जमाने में बिना घोटाले के किसी भी व्यक्ति को किसी भी मामले में जबर्दस्ती उलझाया जा सकता है.

बीजेपी के खिलाफ इंडी गठबंधन ईडी में फँसे नेताओं और राजनीतिक दलों के गठबंधन के रूप में बीजेपी के मुकाबले के लिए खडा हुआ है. बीजेपी इसे भ्रष्टाचारियों का गठबंधन बताकर ईडी की सक्रियता को राजनीति से भ्रष्टाचार को हटाने वाला देशहित का बड़ा अभियान बता रही है.

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड पर सुनवाई शुरू की है. राजनीतिक फंडिंग एक ऐसी चुनौती है जिसे कोई भी लोकतंत्र हल नहीं कर सका है. राजनीतिक दल अपने संसाधनों की पूर्ति के लिए क्राउड फंडिंग प्लेटफार्म का उपयोग करते हैं. इसमें भी कालेधन को ही खपाया जाता है. जब तक ऐसा मॉडल विकसित नहीं होगा जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल ट्रेल सुनिश्चित हो. तब तक राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता नहीं आएगी.

राजनीतिक फंडिंग को विनिमियित करना बहुत चुनौतीपूर्ण है. इसमें अन्तर्निहित हितों का टकराव है जिसे संबोधित करने की आवश्यकता है. राजनीतिक दलों को प्राप्त व्यक्तिगत दान और फंडिंग के स्रोत का खुलासा राजनीतिक पारदर्शिता बढ़ाएगा. अभी तो ऐसी परिस्थितियां हैं कि जनता को पार्टियों के चंदे के स्रोत को जानने का अधिकार ही नहीं है.

भारत में 2017 में एक कानून बनाकर कॉर्पोरेट दान पर लगी सीमा को हटा दिया गया था.फिर चुनावी बांड अधिसूचित किए गए थे. यह बैंक द्वारा जारी किया गया एक वाहक बॉन्ड है लेकिन विधि परिवर्तनों ने यह सुनिश्चित किया कि दान का स्रोत मतदाताओं से छुपाया जाए, जो चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण हितधारक होते हैं. सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने इसी की संवैधानिकता पर सुनवाई शुरू की है. इस पर निर्णय पारदर्शी राजनीतिक फंडिंग के लिए भारत के सबसे बड़े मॉडल का प्रतिनिधित्व करेगा.

ईडी का डर भले ही बीजेपी विरोधी दलों में ज्यादा हो लेकिन सभी दलों के नेता इस खतरे से भयाक्रांत हैं. मध्यप्रदेश में अभी तक ईडी के छापे राजनीतिक सुर्खियों में नहीं आए हैं. पूर्व मुख्यमंत्री जरूर यह कह रहे हैं कि छापे पड़ने वाले हैं. छापे का डर नेताओं के हाव-भाव और चुनावी अभियानों में धन प्रबंधन की खामोशी में देखा जा सकता है. मध्यप्रदेश में शोले फिल्म के किरदारों की चुनावी चर्चा है. शोले फिल्म में यह चर्चित डायलॉग है कि %जब बच्चा रात को रोता है तो मां कहती है सो जा बेटे नहीं तो गब्बर आ जाएगा%. ऐसे ही राजनीतिक दल और नेता अब एक दूसरे को कह रहे होंगे कि %संभल के काम करना नहीं तो ईडी आ जाएगी।

फिल्मों ने बदला करवा चौथ का रूप और स्वरूप

अशोक जोशी

आज करवा चौथ है। हर घर की महिलाएं इस व्रत के लिए तरह-तरह की तैयारियों में व्यस्त है। कुछ साल पहले तक इसे एक सामान्य व्रत की तरह किया और निभाया जाता था। लेकिन, जब से कुछ फिल्मों में करवा चौथ को बड़े पर्दे पर दिखाना आरंभ हुआ, तभी से घर-घर में मनाए जाने इस पर्व में भव्यता के दर्शन होने लगे। करवा चौथ को लोकप्रिय बनाने में हिंदी सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान है। 80 के दशक से फिल्मों में करवा चौथ का चलन लोकप्रिय होने लगा था। जिसका आम महिलाओं पर भी इतना प्रभाव पड़ा कि वे भी बिल्कुल फिल्मी बन गईं। समाज का एक अनकहा सा दबाव फैशन में तब्दील हो गया।

फिल्मों ने करवा चौथ को ग्लैमरस, फैशनेबल'और फेमस बना दिया। आज भी महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, लेकिन अंदाज बदल चुका है। पूरा दिन भूखा रहने के बावजूद उनके चेहरे पर गजब का उत्साह देखने को मिलता है। रिश्ते की पतिव्रता के साथ पत्नी सज-संवरकर पति की लंबी उम्र की दुआ मांगती है। सामाजिक प्रतिष्ठा को बनाए रखने में गर्वित महसूस करती है। अब पहले से ज्यादा उत्साहित नज़र आती है। कुछ ऐसी फिल्में हैं जिसमें करवा चौथ के व्रत को एक बढा चढाकर परदे पर पेश किया गया है। इसका असर यह हुआ कि अब तक इस व्रत से अनजान पुरुष पर भी फिल्मी करवा चौथ के रंग में रंगे नजर आने लगे।

सिनेमा में सबसे पहले फिल्म 'बहू बेटी' में करवा चौथ के व्रत को दिखाया गया था। इस फिल्म का गाना करवा चौथ का व्रत ऐसा सबसे पहला ऐसा गाना है जो माला सिन्हा और मुमताज पर फिल्माया गया था। बीते जमाने की श्वेत श्याम बहू-बेटी के इस गाने सभी महिलाएं गाती, बजाती, झूमती और अपने पति की लंबी उम्र की दुआ मांगती नज़र आती है। 90 के दशक में शाहरूख खान और काजोल की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' ने करवा चौथ का स्वरूप ही बदल दिया। फिल्म के करवा चौथ प्रसंग में काजोल इस व्रत को रखने के दौरान बेहोश होने का नाटक करती है और अपने प्रेमी शाहरूख खान के हाथ से पानी पीती है। व्रत की पूजा के बाद दोनों एक दूसरे को प्यार से खाना खिलाते हैं। राज और सिमरन का ये सीन आज भी याद किया जाता है। इसके साथ ही इस अवसर पर फिल्माया गया गीत घर आजा परदेसी आज भी करवा चौथ पर घर घर में गूंजता सुनाई देता है।

'राजश्री' ने संस्कारों को महोत्सव में बदला

राजश्री फिल्म्स ने तो फिल्मों के माध्यम से शादी जैसे संस्कार को एक महोत्सव में बदलने का काम किया है। उनकी ही फिल्म हम आपके हैं कौन में सलमान और माधुरी दीक्षित के करवा चौथ का सीक्वेंस बहुत ज्यादा रोमांचित करता है। इसकी भव्यता ने करवा चौथ को जो जगमगाहट दी, वह आज भी कायम है। इसी परम्परा को करण जौहर ने भव्यता से आगे बढाने का काम किया। फिल्म कभी खुशी कभी गम में करवाचौथ का व्रत बड़े ही भव्य अंदाज में फिल्माया गया। इस सीन में तीन फिल्मी जोड़ियों को एक साथ व्रत रखते हुए दिखाया गया है। अमिताभ-जया, शाहरुख-काजोल और ऋतिक-करीना पर करवा चौथ का दृश्य शूट किया गया। इस सीन में खास बात है कि इस व्रत में पूरे परिवार को साथ रखते हुए दिखाया गया। साथ ही महल जैसे घर में बैक ग्राउंड में काफी लोग हैं जो झूमते हुए नज़र आते हैं। शाहरुख और ऋतिक रोशन का डांस भी देखने लायक है।

हम दिल चुके सनम में करवा चौथ के दृश्य को सलमान और ऐश्वर्या के साथ कलात्मक रूप से भव्यता देकर फिल्मांकित किया। इस फिल्म के दौरान सलमान और ऐश्वर्या के बीच प्यार पनपा था। चांद छुपा बादल में गीत में सलमान और ऐश्वर्या की केमिस्ट्री देखने लायक है। शायद यह पहली और एकमात्र ऐसी फिल्म होगी जिसमें करवा चौथ को दो बार फिल्माया गया। पहली बार तब जब ऐश्वर्या सलमान से प्यार करती है और दूसरी बार तब जब वो अजय देवगन की पत्नी बन चुकी होती है।

अमिताभ और हेमा मालिनी अभिनीत फिल्म 'बाबुल' में इस फिल्म के करवा चौथ में दिलचस्प बात ये है कि इसमें लीड एक्टर्स अपनी अपनी पत्नियों के लिए व्रत रखते है। सलमान खान इस मौके अपने माता-पिता यानी हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन को एक खुशखबरी और देते हैं की रानी मुखर्जी मां बनने वाली हैं। इससे व्रत की खुशी दोगुनी हो जाती है और एक भावनात्मक पहलू भी सामने आता है। रानी अपने ऑन स्क्रीन पति सलमान खान को सात जन्मों तक पाने के लिए करवा चौथ का व्रत रखती है।

राजा हिंदुस्तानी में करवा चौथ का सीन काफी रोमांचक है । इसमें करिश्मा अपने पति के साथ मनमुटाव होने पर अपने मायके रहने के लिए चली जाती है। वहीं भीगी आंखों से अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है। लेकिन, अजीब इत्तेफाक होता है कि आमिर खान का भी इसी दिन करिश्मा से टकराना हो जाता है। 'इश्क-विश्क' में अमृता राव, शाहिद कपूर के लिए व्रत रखती हैं। हालांकि शाहिद अपनी हीरोइन से फ्लर्ट कर रहे होते हैं। लेकिन, जब उनको ये पता चलता है कि अमृता ने करवा चौथ के लिए रखा है तो अचानक ही शाहिद के मन में अमृता के लिए भावनाएं उमड़ आती हैं। इस सीन को फिल्म में बड़े ही खूबसूरत ढंग से फिल्माया गया है। दोनों नोक-झोंक के साथ इस व्रत को पूरा करते हैं। इमरान हाशमी की फिल्म 'जहर' में किसी तीसरे को लेकर तनाव आ जाता है। लेकिन निर्माता ने करवा चौथ के प्रसंग के माध्यम से दो प्यार करने वाले पति पत्नी के बीच के जुड़ाव स्थापित करने का प्रसंग बनाकर करवा चौथ की प्रासंगिकता को बढाने का काम किया है।

करवा चौथ का मार्मिक फिल्मांकन

करवा चौथ के गुदगुदाने वाले दृश्यों के बीच रवि चोपड़ा निर्देशित 'बागबान' में करवा चौथ का मार्मिक फिल्मांकन आंखे नम कर जाता है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी अपने-अपने घर बच्चों के साथ अलग रहते हैं और हेमा मालिनी अपने पति अमिताभ के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। लेकिन, दूर होने की वजह से अमिताभ से फोन पर ही बात करते हुए करवा चौथ का व्रत पूरा करती हैं। इस दृश्य में एक-दूसरे के लिए प्यार और स्नेह बस देखते ही बनता है। पति-पत्नी का एक ऐसा रिश्ता जिसे किसी भी और चीज की दरकार नहीं होती। इस सीन में खुद अमिताभ भी हेमा के लिए व्रत रखते हैं और तब तक पानी नहीं पीते, जब तक चांद नहीं निकल आता। ये सुनते ही हेमा की आंखों में आंसू आ जाते हैं। यह सही है कि समय के साथ समाज में करवा चौथ का स्वरूप बदला है और इस बदलाव में हिंदी सिनेमा का

करवा चौथ विशेषः तुमको हमारी उमर क्यों लगि जाय!

जयराम शुक्ल

ये तो कमाल की बात हुई, पुलिस वालों ने करवा चौथ का पानी उतार दिया। चौराहों पर यातायात के बैनर में लिखवाकर-

हेलमेट पहनिए,
सीटबेल्ट बाँधिए..
करवा चौथ के भरोसे मत रहिए.।

एक भाई ने लिखा कि साल में एक दिन यही तो है जब उम्र को रिचार्ज कराने का मौका मिलता है। पुलिस ने भाई की जीजिविषा को धूलधूसरित कर दिया, करवाँ चौथ के मुकाबले हेलमेट, सीटबेल्ट की बात करके।

मैंने रिपोर्टर से पूछा- अपनी पुलिस क्या वाकई इतनी प्रोग्रेसिव हो गई है..? रिपोर्टर ने बताया नहीं जी, बात ये नहीं है.. बैनर लिखने और लिखवाने वाले दोनों की बीबियाँ करवाँ चौथ से थीं..! प्राब्लम ये थी कि इस साल के करवाँ चौथ का पैकेज उनकी हैसियत से बाहर का था। दोनों ही अपनी बीबियों से यही तर्क देकर कि तुम्हारे उपासने से अपनी उमर बढ़ने वाली नहीं, झगड़ के आए थे। और चौराहों पर बैनर लगाकर अपना फ्रस्टेशन निकाल लिया।

सही बात है- बॉस जिस दिन बीबी से लड़कर आता है उसदिन मताहतों की दिनभर ऐसी-कम-तैसी करता है। स्कूल में मास्साब की आँखें जिस दिन लाल और हाथ में सड़ाका होता था हम बच्चे भी समझने देर नहीं लगाते थे कि आज गुरुआइन दाई ने इनकी अच्छे से लू उतारी होगी।

करवाँ चौथ की पूजा कराकर लौट रहे पंडुिज्जी से मैंने पूछा- क्या तीज और करवाँ चौथ से वाकई पतियों की उमर बढ़ती है..। अचकचाए पंडुिज्जी ने जवाब दिया कि पुराणों में तो फुल गारंटी के साथ यही लिखा है बाकी यमराज जानें।

हमारी संस्कृति के सभी कर्मकांड, व्रत और उपवास पुराणों में वर्णित हैं। एक दो को छोड़ प्रायः

सभी पुराण दूसरी से दशवीं शताब्दी के बीच लिखे गए हैं। पुराणों के सबसे ज्यादा उपदेश महिलाओं के हिस्से आए हैं।

एक पुराण में कथा है कि..एक पतिव्रता अपने कोढ़ी पति को तीर्थयात्रा कराने भ्रमण पर निकलती है। वह बाजार से निकल रही होती है कि उसके कोढ़ी पति का दिल एक गणिका पर आ जाता है..। वह अपनी फरमाइश पत्नी के समक्ष रखता है। पत्नी पतिव्रता जो ठहरी वह गणिका से पति को संतुष्ट करने की गुजारिश करती है। यह तो पराकाष्ठा हुई न।

ऐसी बहुत सी कथाएं हैं जिनमें महिलाओं को उपदेश दिया गया है कि पति भले कितना भी लंपट हो लेकिन उसे परमेश्वर मानना चाहिए। इंद्र तो लंपटता का चरम था, लेकिन उसकी पत्नी शची से कभी झगड़ा हुआ हो ऐसा कहीं वर्णित नहीं है।

जाहिर सी बात यह है कि पुरुषों को मौजमस्ती के रास्ते खोले रखने के लिए महिलाओं पर अनुशासन थोपे गए, उन्हें उपदेशों के जरिए सरग-नरक की भूलभुलैया में उलझाए रखा गया।

आप स्त्रियों के आभूषण तो देखिए, सभी के सभी गुलामी के प्रतीक हैं। ऊँट की तरह नाक छेदा, गैय्या की तरह कान, गले में मंगलसूत्र की जंजीर, तो कलाइयों में हथकड़ीनुमा कड़े, पाँव में बेड़ी की भाँति पायल(पहले छड़ा गोडहरा)। एक-एक वस्तु गुलामी के प्रतीक पर उसे आभूषण का नाम देकर ऐसा महिमामंडित किया कि बस इसी गुलामी में उलझी रह गई नारी शक्ति।

मैत्रेयी, गार्गी, भारती, अरुंधती आदि वैदिक काल की महिलाएं इस तरह की गुलामी से मुक्त थीं। वे अपने समकालीन पुरुषों से हर मामले में मुकाबला करने को समर्थ थीं..चाहे शास्त्र से हो या शस्त्र से। पुराण की कथाओं को पुरोहितों और कथावाचकों ने समय-समय पर अपने हिसाब से ट्विस्ट किया। श्रुति और स्मृति परंपरा से आई पुराण कथाओं समयकाल के हिसाब से क्षेपक जुड़ते गए।

डाक्टर राममनोहर लोहिया नारीमुक्ति के प्रबल पक्षधर थे, इसलिए वे पंच कन्याओं में स्त्री का व्यवहारिक आदर्श देखते थे। द्रोपदी उनकी नजर में सबसे महान व सशक्त महिला थी जिसने दिलेरी के साथ पुरुष वर्चस्व की वर्जनाएं तोड़ीं और ठप्पे से पाँच पतियों के साथ निर्वाह किया।

लोहिया कुंती, मंदोदरी, तारा, अहिल्या को भी स्त्री विमर्श के केंद्र पर रखते थे। इसके उलट पुरुषवादी समाज ने ऐसा कथानक रचा कि पत्नी को सती सावित्री या सीता से एक इंच भी कम नहीं होना चाहिए भले ही पति कितना बड़ा पापी या दुष्कर्मी क्यों न हो।

भगवान राम एक पत्नीव्रत की शपथ लेते हैं। तत्कालीन समाज में जब स्त्री को धन समझा जाता था और राजाओं के अंत:पुर में अनगिनत स्त्रियां रहती थीं, ऐसे में एक पत्नीव्रत की शपथ साधारण बात नहीं थी। राम के आराध्य भगवान शंकर थे जिन्होंने पति और पत्नी के आदर्श को जगत के सामने रखा। शंकर से महान पत्नीव्रता शायद ही सृष्टि में किसी भी धार्मिक मान्यता में कोई हो।

सती माता की लाश को कंधे पर टाँगे एक विक्षिप्त पति समूचे ब्रह्मांड की परिक्रमा करता है। वह भी देवों का देव महादेव, ईश्वरों का ईश्वर परमेश्वर। नौदुर्गा की सभी देवियां माता सती-पार्वती की अंश हैं। कौन है जो अपनी पत्नी को अपने से भी परमशक्ति के पदपर प्रतिष्ठित करे और स्वयं वीतरागी बना रहे। भवानी-शंकर इसीलिए लोक के सबसे करीब और सर्वव्यापी हैं।

समाजवादी चिंतक जगदीश जोशी पति की उम्र और सलामती के लिए पत्नियों के कठिन व्रत के खिलाफ रहते थे। वे हर तीजा- करवाँ चौथ के अवसर पर विमर्श करते और लेख लिखते थे। जोशी जी का शाश्वत प्रश्न यही रहता था कि क्या पति भी कभी पत्नी की लंबी उमर के लिए कोई धार्मिक यत्न करता है। यदि पति बेइमान, लंपट और चरित्रहीन है तो उसे समय से पहले ही मर जाना चाहिए, उसकी सलामती के लिए व्रत क्यों..?

और यदि पति सदाचारी है तो उसे पत्नी के व्रत-उपवास में भी बराबर का भागीदार रहना चाहिए, उसे भी पत्नी की लंबी उम्र की कामना वैसे ही करनी चाहिए। जोशी जी लोहिया की लाइन पर सोचते थे..। विचार आचार-व्यवहार में कभी सहजता से नहीं चढ़ते। अपने सभी त्योहार विचार नहीं बाजार से संचालित हैं। बाजार तय करता है कि नौदुर्गा..दशहरा और गरबा कैसे मने। करवाँ चौथ, छठ और तीजा के मेन्यू भी यही बाजार तय करता है। करोड़ों अरबों का व्यापार इन त्योहारों के मार्फत होता है। टीवी फिल्मों में बालीवुड की गणिकाएं अब सती सावित्री और सीता की भूमिका में रोलमॉडल बनकर प्रस्तुत होती हैं।

आर्थिक मंदी और भविष्य को लेकर हताशा के इस दौर में करवाँ चौथ जैसे पर्व एक साधारण नौकरीपेशा व्यक्ति को थरथरा देते हैं। जिस किसी पुलिसिये ने यह लिखा कि लंबी उमर की गारंटी हेलमेट और सीटबेल्ट हैं न कि करवाँ चौथ, शायद ठीक ही लिखा- भगवान उस पुलिसिए को धरमधुरंधरों के कोप से बचाए रखे, मेरी यही प्रार्थना है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbp167@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नामांकन रैली में विजय नाहटा के स्वागत से गदगद हुए कांग्रेसी

सिवनी- सिवनी विधानसभा से युवा कांग्रेस प्रत्याशी आनंद पंजवानी की जन सम्पर्क रैली में अपार जन समूह सिवनी विधानसभा से उपस्थित हुये अनेक स्थानों पर आनंद पंजवानी का भरपूर स्वागत किया गया। बुधवारी बाजार में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विजय नाहटा ने जोरदार स्वागत किया, स्वागत कर उपस्थित जन समुह को शरबत, फल एवं पानी का वितरण किया। आनंद पंजवानी को जैन श्वेताम्बर मंदिर ले जाकर पूजा अर्चना कर भगवान का आर्शीवाद लिया।

भाजपा प्रत्याशी दिनेश राय ने वार्डों मे जनसंपर्क कर मतदाताओं से लिया आशीर्वाद

सिवनी- हमारे यहाँ के युवा अनेक प्रकार के हुनर लिये हुये है उनकी क्षमताओं का सार्थक उपयोग कर जिले को समृद्धशाली बनाने का मेरा लक्ष्य है और इस दिशा में मेरे जो प्राथमिक प्रयास है वह शिवराज सरकार की सीखो सिखाओ और कामाओ योजना से साकार रूप लेगी। आगामी समय में बहुत बेहतर रोजगार के अवसर सिवनी विधानसभा की पवित्र भूमि को समृद्ध बनायेंगे।इस आशय की बात सिवनी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी दिनेश राय मुनमुन ने आज सिवनी नगर के जनसंपर्क के दौरान कहीं। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार भाजपा प्रत्याशी श्री दिनेश राय मुनमुन ने प्रातः 10ः00 बजे गणेश चौक स्थित माता विंध्यवासिनी मंदिर मे माता रानी के दर्शन व पूजन उपरांत सीवी रमन वार्ड, महावीर वार्ड, टैगोर वार्ड, शास्त्री वार्ड एवं कबीर वार्ड डूंडासिवनी मे जनसंपर्क कर मतदाता बंधुओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान दिनेश राय मुनमुन ने कहा कि नगर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के साथ ही युवाओं को हम केवल रोजगार देने की बात नहीं करते बल्कि आगामी समय में प्रयास रहेगा कि हमारे क्षेत्र के युवा रोजगार देने वाले बने। हमारी शिवराज सिंह सरकार ने सीखो सिखाओ और कमाओ योजना प्रारंभ की इस योजना से बड़े उद्योग स्थापित करने के लिये स्थानिय युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिये मेरे द्वारा अधिकारियों से चर्चा की गयी है आगामी समय में इसके बेहतर परिणाम आयेंगे। श्री राय ने कहा कि सिवनी नगर को स्वच्छ, सुंदर और समृद्धशाली बनाना मेरी प्राथमिकता है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारियों, समस्त मोर्चा के पदाधिकारियों, जेष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं समर्थकों एवं बड़ी संख्या मे मतदाता बंधुओं की उपस्थिति रही।

गांव में लगे थे मतदान बहिष्कार के बैनर, भाजपा प्रत्याशी के आग्रह पर निर्णय बदला अब पूरा गांव करेगा मतदान

बरेली 7 उदयपुरा विधानसभा के अंतर्गत ग्राम खुनिया में ग्राम वासियों द्वारा इस बार विधानसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया था ग्राम वासियों का कहना है कि गांव में मूलभूत सुविधाएं नहीं है आखिर हम भी नागरिक हैं और सभी गांव में चारों तरफ विकास हो रहा है लेकिन हमारे गांव में विकास नहीं हो रहा क्या हम वोट नहीं डालते इतनी समस्याओं को लेकर ग्राम वासियों ने मतदान न करने का संकल्प लिया था लेकिन भाजपा प्रत्याशी द्वारा घर-घर जनसंपर्क कर नरेंद्र शिवाजी पटेल ने ग्राम वासियों को मतदान की ताकत के बारे में अवगत कराया और कहा कि लोकतंत्र के महापर्व पर आपकी सहभागिता महत्वपूर्ण है एक वोट देश का भविष्य तय करता है अपने देशहित में मतदान जरूर करें7 नरेन्द्र शिवाजी पटेल के आग्रह पर सभी ग्राम वासियों ने अपने लोकतंत्र के महा पर मतदान करने का संकल्प लिया 7 नरेन्द्र शिवाजी ने कहा कि ग्रामवासियों ने मेरे तथा समस्त वरिष्ठ जनों के निवेदन पर अपने निर्णय को बदला और सभी ने बहिष्कार के बैनर हटा लिए।सभी ग्रामवासियों का सादर सप्रेम धन्यवाद। आप सभी ने मुझ पर जो विश्वास दिखाया है, मै आपका आभारी हूँ और सदैव आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करूँगा।

रुनाहा/नजीराबाद में महाविधालय की करेंगें स्थापना- खत्री

बैरसिया। भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री के प्रचार ने जोर पकड़ लिया है। मंगलवार को उन्होंने रुनाह क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों में जनसम्पर्क किया। सभी गांवों में ग्रामीणों ने साफा बांधकर पुष्पों से भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री का स्वागत किया। वहीं रुनाह में चुनाव प्रचार कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री ने कहा कि इस क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए बैरसिया या नरसिंहगढ़ जाना पड़ता है। इसलिए हम आगामी पंचवर्षीय योजना में रुनाह या नजीराबाद में महाविधालय की स्थापना करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा रुनाह में उद्योगिक क्षेत्र विकसित करेंगे। इसके लिए भूमि का आरक्षण भी हो चुका है। हमने इस क्षेत्र में सिंचाई के क्षेत्र में भी काम किया है। कालापीपल डेम से सिंचाई हो रहीं है, वहीं हमने पार्वती नदी से भी सिंचाई की योजना बनाई है, जिसका सर्वे का कार्य चल रहा है।

निर्वाचन प्रेक्षक दास और मीना ने किया इटारसी स्टेशन का निरीक्षण

नर्मदापुरम। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम इटारसी एवं विधानसभा क्षेत्र सिवनी मालवा का निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक उदय नारायण दास एवं श्री शिवहरी मीना ने निरीक्षण किया। प्रेक्षको ने विधानसभा क्षेत्र सिवनीमालवा अंतर्गत ब्लॉक केसला के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए। साथ ही मतदान केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। इसके पश्चात प्रेक्षको ने विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम अंतर्गत इटारसी के भी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के आवागमन हेतु पृथक-पृथक एंट्री एवं एग्जिट प्वाइंट बनाएं । साथ ही मतदान केन्द्रों की साफ सफाई एवं अनावश्यक पड़ी सामग्री को तत्काल हटाए जाने की बात भी कही। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी नीता कोरी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस महेंद्र सिंह चौहान, मुख्य नगरपालिका अधिकारी रितु मेहरा, थाना प्रभारी गौरव बुंदेला, जीआरपी थाना प्रभारी रामस्नेह चौहान, स्टेशन प्रबंधक देवेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे।

नामांकन रैली का स्वागत करते विजय नाहटा

सिवनी में अपने विधानसभा क्षेत्र में दिनेश राय मुनमुन का जनसंपर्क

जब जनता परिवर्तन चाहती है तो परिवर्तन होकर रहता है- आनंद पंजवानी

सिवनी- भारतीय जनता पार्टी की सरकार की योजनाएं सिर्फ बडे बडे विज्ञापन तक सीमित होकर रह गई है आम जन को इसका लाभ नही हो पा रहा है यही कारण है कि आम जन परेशान हैं यदि योजनाओं का लाभ सही लोगों को होता तो लोग परेशाान क्यों होते। जब परेशान होते हैं तब ही परिवर्तन की मांग उठती है। सभी जान रहें है कि इस बार प्रदेश में जनता परिवर्तन चाह रही है और जब जनता परिवर्तन चाहती है तो निश्चित रूप से परिवर्तन होकर रहता है लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है।

उक्ताशय की बात नामांकन रैली की अपार सफलता हेतु रैली में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त करते हुए कांग्रेस युवा प्रत्याशी आनंद पंजवानी द्वारा कही गयी है। श्री पंजवानी ने कहा कि सिवनी में लम्बे समय से कांग्रेस का विधायक नही बना, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी ने गोपालगंज के मंच से यह कहा किकांग्रेस पार्टी को सिवनी की जनता ने पिछले 35 सालों से आशीर्वाद नहीं दिया है। उसके बाद भी कमलनाथ जी ने सिवनी के विकास के लिए जो बन पडा किया, मंडला, सिवनी, छिन्दवाड़ा बडी रेल लाईन, पेंच टाईगर रिर्जव, पेंच परियोंजना जिसमें छिन्दवाडा जिले के अनेक गांव डूब क्षेत्र में चले गये वहां के लोगो ने कमलनाथ जी नाराज हुये कि आप सिवनी का भला करने के लिए हमारी जमीने बर्बाद कर रहे हो। कमलनाथ जी का आशय स्पष्ट था कि सिवनी से विधायक चुनकर जाते तो सिवनी आज विकास में इतना पिछडा नही होता।

कांग्रेस प्रत्याशी आनंद पंजवानी ने कहा कि मेरा आपसे अनुरोध है आप भाजपा के प्रत्याशी को विधायक बना रहे है उन विधायको द्वारा सिवनी के विकास के लिए ऐसा कोई कार्य नही किया गया है कि जिससे सिवनी की जनता अपने आपको गौरांवित करें। आज सिवनी में शिक्षित युवा बेरोजगार है, कोई उद्योग धंधे नही है, जिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ डाक्टरो की कमी है, जांच उपकरण नहीं है, पर्याप्त मात्रा में दवॉईया उपलब्ध नही है, छोटी छोटी बीमारियों के ईलाज के लिए नागपुर, जबलपुर जाना पड़ता है गरीब पैसे के अभाव में ईलाज नही करा पाते,आप लोगो ने निर्दलीय प्रत्याशी को भी जिता कर देख लिया लेकिन सिवनी की व्यवस्था में कोई परिवर्तन नहीं आया विकास के केवल झूठे वायदे किये गये।आप एक बार कमलनाथ जी पर भरोसा करके देखिये मुझे आशीर्वाद देकर देखिये मेरा वचन है ज्यादा नहीं एक वर्ष के भीतर आपको स्वयं महसूस होगा कि सिवनी के लोगों के जीवन में कितना परिवर्तन आ गया है।हर चीज आसान हो जायेगी, छोटे छोटे से सरकारी कामों में जटिलता समाप्त हो जाऐगी, आपके बड़े बड़े काम आसानी से हो जायेंगे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के युवा प्रत्याशी श्री आनंद पंजवानी ने कहा कि जिन योजनाओं पर भाजपा घमंड कर रही है जरा पीछे मुड़कर देखिये, योजनाएं नहीं थी पर जीवन में एक संगीत थीण् एक मधुरता थी एक सुकून था जैसे कोई नदी बह रही हो अपने वेग से पहाड़ से झरना गिर रहा हो बह रहा हो अपनी गति से, पहले लोगों के सब काम आसानी से चलते फिरते मुस्कुराते हुए हो जाते थेण् प्रशासन में इतनी लूट खसोट नहीं थी, करोड़ों की संपत्ति आज बाबू बनाकर बैठे हैं, अधिकारी जनता का सम्मान नहीं करती है,।

विकास, विश्वास व सेवा की गारंटी है राजेंद्र - मुख्यमंत्री चौहान

रतलाम । राजेंद्र विकास, विश्वास और सेवा की गारंटी है जावरा की जनता का प्यार व आशीर्वाद ही मुझे यहां खिंच कर ले आया। हमने पत्थरों की मार से लोगों को घायल होते देखा है जावरा वालो हम तो आपके फूल की मार से ही घायल हो गए। आपके प्यार और आशीर्वाद के कायल हो गए।

यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जावरा में महती आमसभा को संबोधित करते हुए कही 7 उन्होंने कहा कि जावरा के विकास में राजेंद्र ने कोई कसर नही छोड़ी7 कई काम तो ऐसे है जो हमने आउट ऑफ वे जाकर किये। राजेन्द्र ने कहा था कि जावरा में ओवर ब्रिज चाहिए हमने स्टेट के बजट से 2 फ्लाय ओवर ब्रिज स्वीकृत किये जिनमें से एक जावरा को दिया जो सबके सामने बनकर तैयार है। अभी 2 सीएम राइज बन रहे है जावरा विधानसभा में 10 सीएम राइज ओर बनवाऊँगा। उद्योग व सिंचाई के क्षेत्र में भी और बेहतर काम करेंगे। एक्सप्रेस वे जो यहां बना है उसका भूमिपूजन भी इसी जावरा की धरती पर हुआ है। आने वाले समय मे भी जावरा के विकास में कोई कसर कोई कमी

नहीं छोडूंगा। फिर जावरा आऊँगा ओर बाबूजी डॉ.लक्ष्मीनारायण जी पांडेय की प्रतिमा का अनावरण भी करुगा।विधायक एवं भाजपा प्रत्याशी डॉ. राजेंद्र पांडेय ने कहा कि जावरा के विकास में जितना कहा था उससे बेहतर किया है आगे भी विकास के कार्य में कोई कमी नहीं आएगी जनता के विश्वास पर खरा उतरूंगा।जावरा में मुख्यमंत्री चौपाटी क्षेत्र से जनता का अभिवादन करते हुए डॉ. पांडेय के साथ सभा स्थल पहुचे। पूरे रास्ते में विभिन्न सामाजिक धार्मिक व राजनीतिक संस्थानों ने फूलों से मुख्यमंत्री व डॉ पाण्डेय का स्वागत किया।

रजक समाज के लिए आनंद का आश्वासन कारगर होगा

सिवनी। रजक समाज द्वारा सिवनी विधानसभा प्रत्याशी आनंद पंजवानी को महावीर वार्ड महावीर व्यायाम शाला के सामने बुलाकर अपनी सामाजिक समस्या से अवगत कराया। सर्वविदित है कि भाजपा ने रजक समाज के पारंपरिक व्यावसाय, इनके परिवार के पालन पोषण का आधार बारापत्थर स्थित धोबी टॉकें पर कब्जा कर भाजपा कार्यालय निर्मित कर लिया है इसके बाद भाजपा की गिद्ध दृष्टि शेष बचे टॉकों पर पड़ी। बीते वर्ष 05 नवंबर 2022 को जिला मुख्यालय पर भाजपा कार्यालय के प्रथम तल के उद्घाटन समारोह दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सिवनी आगमन पर भाजपा द्वारा उन धोबी टॉकों को पूर कर पार्किंग बना ली, रजक समाज द्वारा इस बात का बहुत विरोध किया गया लेकिन गरीबों की कोई सुनवाई नही हुई। वह अपनी समस्या लेकर नगरपालिका पंहुचे, नगरपालिका अध्यक्ष शफीक खान ने टॉके में डाली गई मुरम खाली कराकर भाजपा के कब्जे से मुक्त कराया। भाजपा द्वारा टॉका खाली करने गई जेसीबी को पुलिस द्वारा जप्त भी कराया गया। रजक समाज पर आज रोजी-रोटी का संकट है जो कि नगर के लोगो के कपड़े धोकर अपने परिवार का पालन पोषण करते आ रहें है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं प्रहलाद पटेल को चुनाव प्रचार का दिया जिम्मा

सागर। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव वा प्रहलाद पटेल की मालथोन में आज जन आशीर्वाद सभा नगरिया विकास एव आवास मंत्री खुरई से भाजपा प्रत्याशी भूपेन्द्र सिंह के समर्थन में 1 नवंबर बुधवार को मालथौन में जन आशीर्वाद सभा का आयोजन किया जा रहा है जन आशीर्वाद सभा को भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्टार प्रचारक केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ब प्रहलाद पटेल संबोधित करेंगे जन आशीर्वाद सभा का आयोजन मालथोन के स्टेडियम परिसर में किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एव प्रहलाद पटेल भाजपा के स्टार प्रचारक और जन आशीर्वाद सभा में भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। कार्यकर्ता और खुरई विधानसभा के लोग बड़ी संख्या में रहेंगे जहां कांग्रेस अपने बड़े-बड़े नेताओं और स्टार प्रचारकों को बुला रही है वहीं भाजपा भी अपने प्रचार में कोई कोर कसार नहीं छोड़ रही है।

विद्याधर नगर से दिया कुमारी आज करेंगी नामांकन

जयपुर। भाजपा प्रत्याशी दिया कुमारी विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से आज नामांकन दाखिल करने जा रही हैं। इस अवसर पर दिया कुमारी ने जनता से नामांकन रैली में शामिल होकर आशीर्वाद और समर्थन देने का भी आवाह्न किया। नामांकन रैली रिद्धि सिद्धि टावर स्थित प्रधान कार्यालय से चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचेगी, जहाँ पर दिया कुमारी, जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन प्रस्तुत करेंगी। नामांकन के उपरांत, दिया कुमारी वार्ड 28 में एक जनसभा को भी सम्बोधित करेंगी। मंगलवार को उन्होंने जनसंपर्क की शुरुआत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के मुरलीपुरा मंडल, वार्ड 11 से की। इसके उपरांत उन्होंने सभी से ÷मेरी माटी - मेरा देश÷ अभियान से जुड़ने का आवाह्न किया। उन्होंने कहा कि %%मेरी माटी- मेरा देश%% अभियान के अंतर्गत देश के हर घर से एकत्रित की गई मिट्टी से आज कर्तव्य पथ पर %अमृत कलश यात्रा% का समापन होगा। आइये, हम सभी इस महाभियान से जुड़ें और देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर बलिदानियों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

औबेदुल्लागंज । .कार्यालय नगर परिषद द्वारा स्वीप प्लान के अंतर्गत वीर सावरकर कॉलेज के छात्र छात्राओं द्वारा मुख्य मार्ग हॉट बाजार मैं रैली निकाल कर एवं नगर परिषद कार्यालय में संकल्प पत्र भरवा कर शपथ कार्यक्रम किया आमजन मतदाताओं एवं नगर वासियों को जागरुक किया गया इसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे सीएमओ सोनाली शर्मा ,मुकेश जैन, उपयंत्री राजकुमार शर्मा, कैलाश मालवीय, प्रमोद कुमार पांडे एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे

अवैध परिवहन, ओवरलोड के 3 डम्परों को जप्त किये

धार, कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में खनि अधिकारी श्री जेएस भिडे के नेतृत्व में खनिज टीम द्वारा सोमवार को विभिन्न ग्रामों से खनिज रेज एवं गिट्टी का अवैध परिवहन, ओवरलोड पर कार्यवाही करते हुए 3 डम्परों को जप्त किए गए। जप्त डम्परों को पुलिस थाना बाग, सागोर एवं पुलिस थना अगदून में एक-एक वाहन अभिरक्षा में खेड किए गए है। उक्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम-2022 के नियमों के तहत अर्थदण्ड की कार्यवाही की जा रही है।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में ब्राह्मण समाज ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

दमोह। विगत दिनों फेसबुक पर सौरभ जैन नामक युवक द्वारा सोशल मीडिया फ़ेसबुक पर ब्राह्मण समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी लिख कर पोस्ट कर दिया. जिससे नाराज होकर दमोह सर्व ब्राह्मण समाज दमोह ने पुलिस अधीक्षक दमोह को एकत्रित होकर एक ज्ञापन सौंपा. जिसमें आरोपी सौरभ के विरुद्ध प्राथमिकी और उसकी गिरफ्तारी की मांग करते हुए ब्राह्मण समाज ने इस तरह के सम्प्रदाय सौहार्द को बिगाड़ने वाले आरोपियों का अवैध कब्जा गिराने और उस पर बुलडोजर चलाने की मांग की गई. ज्ञापन सौंपते समय भारी संख्या में विप्र जनों की उपस्थिति रही. समाज के वरिष्ठ बड़े पौराणिक एवं आशीष कटारे ने बताया के ब्राह्मण समाज सदैव से दूसरों को सिहांसन पर बैठाने वाली समाज रही है. ऐसे में उनकी समाज को कमतर आंक के उन्हें अपमानित किया जाना क्षमा योग्य नहीं है. वहीं पंडित मनीष नगाइच एवं मुकेश पांडे ने बताया के यदि इस तरह के आरोपी पर पुलिस कार्यवाही नहीं होती तो वे बृहद आंदोलन करने एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने विवश होंगे.ज्ञापन प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक दमोह ने 10 दिवस के भीतर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

छप्पन दुकान वाले फ्री में पोहा खिलाएँगे ,आप लोग भी कुछ इंटेंसिव रख सकते हैं:कलेक्टर

जनतंत्र के लिए बने जागरूक- कलेक्टर धार , पीथमपुर में हुई मतदाता जागरूकता कार्यशाला

धार। इंदौर में छप्पन के दुकानदारों ने सुबह 9 बजे तक वोट डालने वालो को फ्री में पोहा खिलाने का निर्णय लिया है। पीथमपुर के उद्योगों के प्रतिनिधियों से भी आग्रह है कि वे अपने वर्कर्स को कुछ इंटेंसिव प्रदान करें ताकि वे भी मतदान में बढ़ चढ़कर भाग ले सके। इंदौर कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी ने यह बात आज पीथमपुर में मतदाता जागरूकता के लिए आयोजित उद्योगपतियों की कार्यशाला में कही। धार के कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा के विशेष आग्रह पर श्री राजा पीथमपुर कार्यशाला में उपस्थित हुए थे। पीथमपुर क्षेत्र के मतदान केंद्रों में पिछले विधानसभा चुनाव में औसतन 40 प्रतिशत के लगभग ही वोट डले थे। आयोग का फोकस उन सभी क्षेत्रों में जहां पर कम वोट पड़े थे, वोटर टर्नआउट बढ़ाना है। इसी सिलसिले में 7 नवंबर को यहां मतदाता जागरूकता के लिए मशाल रैली भी आयोजित की जा रही है। इंदौर कलेक्टर श्री राजा ने कहा कि मतदाताओं का एक्टिव पार्टीसिपेशन डेमोक्रेसी आत्मा होती है। समूचे विश्व में भारत ही है जहां इतनी बड़ी संख्या में वोट डाले जाते है। इसे त्यौहार की तरह मनाना होगा। अगर आप सभी की इच्छशक्ति होगी तो सारे वर्कर्स वोट डाल पाएंगे। मतदाता जागरूरता के लिए क्रिएटिव आइडिया के साथ आइए। हमारा पूरा सहयोग आपको उपलब्ध होगा। वैसे भी मतदान के दिन नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के तहत सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। आपमें से काफी लोगों का इंदौर की मतदाता सूची में नाम होगा। मतदान के दिन अवकाश मतदान करने के लिए ही दिया गया है इसलिए आवश्यक रूप से मतदान करें।

धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा बोले आप न केवल स्वयं वोट दे वरन अपने वर्कर्स को प्रोत्साहित भी करें, इससे बढ़कर उन्हें अवसर दें ताकि वे अपने परिवार सहित मतदान कर सकें। कलेक्टर ने कहा कि जिस तरह से औद्योगिक इकाइयों के वर्कर्स अपने संस्थान पर गर्व महसूस करते है। उसी तरह हमें अपने जनतंत्र पर भी गर्व होना चाहिए। जिम्मेदार बनिए, वोटिंग परसेंट बढ़ाना उद्देश्य है ही, यह भी जरुरी होगा कि नैतिक मतदान में आपकी सक्रिय सहभागिता हो। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अपना वोटर किसी भी तरह के प्रलोभन में न आए। जनतंत्र के लिए जागरूक बने और 7 नवंबर को अयोजित मशाल रैली में शामिल हो। कलेक्टर श्री मिश्रा ने आशा व्यक्त की है कि आप लोगों के माध्यम से हम इस क्षेत्र के मतदाताओं को न केवल जागरूक कर सकेंगे बल्कि उनसे मतदान भी करा पाएंगे। कार्यशाला का संचालन आईडीसी के कार्यकारी निदेशक प्रतुल सिन्हा ने किया। यहां पीथमपुर औद्योगिक संगठन के

शहर में अचानक फटाका फैक्ट्री में हुए विस्फोट से तीन की मौत 14 घायलों का इलाज जारी

दमोह। शहर के फुटेरा वार्ड दो में मगंलवार दोपहर को एक मकान में विस्फोट होने से बड़ा हादसा हुआ जिसमें अब तक करीब 14 लोग हताहत हुए जिनमें से तीन की मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार यहां के एक घर में पटाखे बनाने का काम होता था जो घर किसी गुप्ता परिवार का बताया जा रहा है धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी और आस पास के घरों को दीवारों में दरार आ गई पास में रहने वाले लोगों ने बताया कि धमाके के बाद घर हिल गए,बुजुर्ग घबरा गए और दीवारें और छत में दरार आ गई। हादसे के स्थान के पड़ोस में रहने वाली क्रांति,कुसुम ने बताया कि काफी जोर की आवाज आई,मकान हिल गया,समान गिर गए,और शीशे टूट गए। घायलों में उमा (22) रचना (50) पुष्पा (45)आरती (30) रामकली (47) हेमलता (50)विमला (40) सुशीला (39)नेहा (45) विनीता (43)रिंकी (32) मोहनी (35) अपूर्वा (19) और एक अज्ञात बताए गए जिनमें से दो महिला और एक पुरुष की मौत बताई जा रही है। घटना के बाद लोगों का हुजूम लग गया और सूचना के बाद कलेक्टर, एस पी,पुलिस बल, फायर ब्रिगेड वाहन, एंबुलेंस, सीएमएचओ पहुंच गए जहां बारूद की गंध के बीच टूटे हुए घर से मलबा उठाने का काम शुरू कर पानी की बौछार की गई और एक एक कर घायलों को निकाल कर जिला अस्पताल भेजा गया जिनमें कुछ की स्थिति काफी गंभीर थी,इसके बाद जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और सांत्वना व्यक्त करते हुए जांच की बात कही।

R.N.I. No. - MPHIN/2015/65325
वर्ष 9 अंक 9 पृष्ठ 21

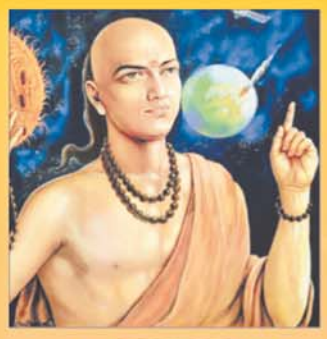

आर्य भट्ट
वेदांग निर्णय सागर
नवम्बर 2023

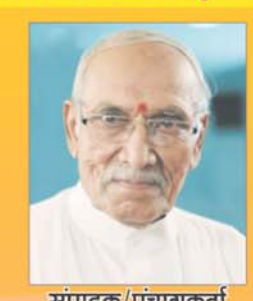

संपादक/पंचागकर्ता
पं. पी एन भट्ट

ता. 1 उदयकालीन ग्रहाचार
8 | 6 केतु | 7 सूर्य, मंगल, बुध | 9 | 5 शुक्र | 10 | 4 | 11 शनि | 1 गुरू | 3 | 12 राहु | 2 चंद्र

श्री विक्रम संवत् २०८०
वीर निर्वाण संवत् २५४६/५०

ता. १२ दीपावली : लक्ष्मी पूजा

ता. 17 उदयकालीन ग्रहाचार
9 चंद्र | 7 | 8 सूर्य, मंगल, बुध | 10 | 6 केतु शुक्र | 11 शनि | 5 | 12 राहु | 2 | 4 | 1 गुरू | 3

शक संवत् १९४५
बंगला सन् १४३०

स्वर्ण मंदिर (अमृतसर)

हिजरी सन 1445, रवि उस्मानी मास (4), ता.16 से जमादि उलावल (5)

ता.२७ गुरूनानक जयंती

स्वामी/प्रकाशक: पं.पी.एन. भट्ट ज्योतिष शोध एवं समाज सेवार्थ ट्रस्ट, गोपालगंज सागर (म.प्र.) मो. 9407266609

व्रत उपवास त्यौहार
ता.१ करवा चौथ, करक चतुर्थी, गणेश चतुर्थी व्रत, ता.३ स्कंद षष्ठी व्रत, ता.५ अहोई अष्टमी, राधाष्टमी, राधाकुण्ड स्नान, ता.९ रमा एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी, ता.१० धनतेरस, प्रदोष व्रत, धनवंतरी जयंती, ता.१२ दीपावली, महालक्ष्मी पूजन, कुबेर पूजन, ता.१३ सोमवती अमावस्या, ता.१४ अन्नकूट, बलि/गोवर्धन पूजा, ता.१५ भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा, ता.१७ विनायकी चतुर्थी व्रत, छठ व्रत नियम प्रारम्भ, ता.१८ पाण्डव पंचमी, ता.१९ सूर्य षष्ठी, डाला छठ (बिहार), ता.३० गोपाष्टमी।

सर्वार्थ सिद्धि योग
ता.१ को सूर्योदय से रा.अं. तक। ता.३ को ८/०१ दिन से रा.अं. तक। ता.५ को सूर्योदय से ११/४९ दिन तक। ता.२३ को ५/०३ शाम से ता.२४ को रा.अं. तक। ता.२७ को १/२९ दिन से रा.अं. तक। ता.२९ को सूर्योदय से २/१७ दिन तक। ता.३० को ३/२४ दिन से रा.अं. तक। अमृत सिद्धि योग- ता.२४ को सूर्योदय से ३/४३ दिन तक।

शुभ मुहूर्त
विवाहः ता.२३, २४, २७, २८, २९। मुण्डनः ता.२९। कर्णविधः ता.२९। जीर्णगृह प्रवेशः ता.१८, २०, २९। गृहारम्भः ता. १८, २२, २३, २९।

जयंतियाँ
ता.१ म.प्र. छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस, ता.४ सैयदाना साहब जन्मदिन, ता.१४ पं. जवाहरलाल नेहरू जयंती, बाल दिवस, विश्व मधुमेह दिवस, हिंगौट युद्ध गौतमपुरा (इंदौर), ता.१७ संत तुकड़ो महाराज जायंती, ता.१९ संत जलाराम बापा जयंती, महारानी लक्ष्मीबाई जयंती, श्रीमती इंदिरा गांधी जयंती, ता.२२ वीर दुर्गादास राठौर शहीद दिवस, ता.२३ सत्य सांई जयंती, संत नामदेव जयंती, कवि कालीदास जयंती, ता.२४ गुरू तेगबहादुर, शहीद दिवस, ता.२७ गुरूनानक जयंती, म. सुदर्शन जयंती, ता.२८ महात्मा जोतिराव फुले पुण्यतिथि।

ग्रह स्थिति
सूर्यः तुला राशि में, ता.१७ को १/२५ दिन से वृश्चिक राशि में। मंगलः तुला राशि में, ता.१६ को १०/३६ दिन से वृश्चिक राशि में। बुधः तुला राशि में, ता.६ को ४/०७ दिन से वृश्चिक राशि में। ता.२६ को २/५३ रात्रि से धनु राशि में। गुरूः मेष राशि में वक्री। शुक्रः सिंह राशि में, ता.३ को ८/१९ दिन से कन्या राशि में, ता.२९ को ३/५७ रात्रि से तुला राशि में। शनिः कुम्भ राशि में वक्री, ता.४ को १०/१६ रात्रि से मार्गी। राहुः मीन राशि में। केतुः कन्या राशि में।

चन्द्र स्थिति
ता. १ को वृष का शाम ४/१२ से मिथुन का। ता. ३ को रा.अं. १/२४ से कर्क का। ता. ६ को दिन १/२३ से सिंह का। ता. ८ को रा.अं. २/०१ से कन्या का। ता. ११ को दिन १/०२ से तुला का। ता. १३ को रात्रि ९/१८ से वृश्चिक का। ता. १५ को रा.अं. ३/०१ से धनु का। ता. १८ को प्रातः ७/०० से मकर का। ता. २० को दिन १०/१७ से कुम्भ का। ता. २२ को दिन १२/५८ से मीन का। ता. २४ को शाम ४/०१ से मेष का। ता. २६ को रात्रि ७/५६ से वृष का। ता. २८ को रा.अं. १/४१ से मिथुन का। ता. ३० को दिन रात मिथुन का।

वार					
रवि	ता. १४ पंडित जवाहर लाल नेहरू जयंती	**5** अहोई अष्टमी, कालाष्टमी; पुष्य १०/२८ प्रातः तक; कार्तिक कृष्ण ८ ३/११ रा.अं. तक	**12** दीपमालिका, कुबेर पूजा; लक्ष्मी पूजा; स्वाति २/५० रा.अं. तक; कार्तिक कृष्ण १४ २/४५ दिन तक	**19** छठ पूजा, सहस्त्रबाहु जयंती; कार्तिक शुक्ल ७ ५/२१ रा.अं. तक; श्रवण १०/४७ रात्रि तक; कार्तिक शुक्ल ६ ७/२४ प्रातः तक	**26** देव दीपावली; भरणी २/०४ दिन तक; कार्तिक शुक्ल १४ ३/५४ दिन तक
सोम	ता. १९ श्रीमति इंदिरा गांधी जयंती	**6** गुरू हरराय पुण्यतिथि; अश्लेषा १/२१ दिन तक; कार्तिक कृष्ण ९ ५/५१ रा.अं. तक	**13** दर्श अमावस्या; विशाखा ३/२१ रा.अं. तक; कार्तिक अमावस्या २/५६ दिन तक	**20** गोपाष्टमी; पंचक १०/१७ प्रातः से; धनिष्ठा ९/२५ रात्रि तक; कार्तिक शुक्ल ८ ३/१७ रा.अं. तक	**27** गुरूनानक जयंती; पुष्कर स्नान; कृतिका १/३४ दिन तक; कार्तिक पूर्णिमा २/४६ दिन तक
मंगल	ता.२३ संत शिरोमणी नामदेव जयंती	**7** मघा ४/२२ शाम तक; कार्तिक कृष्ण १० समस्त	**14** गोवर्धन पूजा, अन्नकूट; पं. जवाहर लाल नेहरू जयंती; अनुराधा ३/२३ रा.अं. तक; कार्तिक शुक्ल १ २/३७ दिन तक	**21** अक्षय नवमी, सत युग; पंचक; शतभिषा ८/०१ रात्रि तक; कार्तिक शुक्ल ९ १/१० रा.अं. तक	**28** भेड़ाघाट मेला, जबलपुर; रोहणी १/३० दिन तक; अगहन कृष्ण १ २/०६ दिन तक
बुध	**1** करवा चौथ, संकष्ठी चतुर्थी; चंद्रोदय ८/०० रात्रि; मृगशिरा ४/३६ रा.अं. तक; कार्तिक कृष्ण ४ ९/२० रात्रि तक	**8** पू.फा. ७/१८ रात्रि तक; कार्तिक कृष्ण १० ८/२४ प्रातः तक	**15** चित्रगुप्त पूजा, भैया दूज; चन्द्र दर्शन; ज्येष्ठा २/५१ रा.अं. तक; कार्तिक शुक्ल २ १/४८ दिन तक	**22** कंस वध, पंचक; वीरांगना झलकारी ज.; पू.भा. ६/३६ शाम तक; कार्तिक शुक्ल १० ११/०४ रात्रि तक	**29** मृगशिरा १/५७ दिन तक; अगहन कृष्ण २ १/५७ दिन तक
गुरु	**2** आर्द्रा ५/५६ रा.अं. तक; कार्तिक कृष्ण ५ ९/५३ रात्रि तक	**9** रमा एकादशी; गोवत्स द्वादशी; उ.फा. ९/५६ रात्रि तक; कार्तिक कृष्ण ११ १०/४५ प्रातः तक	**16** विनायक चतुर्थी; मूल २/१५ रा.अं. तक; कार्तिक शुक्ल ३ १२/३५ दिन तक	**23** देव उठनी ग्यारस, पंचक; प्रबोधिनी एकादशी; उ.भा. ५/१५ शाम तक; कार्तिक शुक्ल ११ ९/०२ रात्रि तक	**30** संकष्ठी चतुर्थी; चंद्रोदय ७/५० रात्रि; आर्द्रा ३/०१ दिन तक; अगहन कृष्ण ३ २/२५ दिन तक
शुक्र	**3** स्कंद षष्ठी व्रत; पुनर्वसु समस्त; कार्तिक कृष्ण ६ ११/०८ रात्रि तक	**10** प्रदोष व्रत, धनतेरस, धनवंतरी जयंती; यम दीपम; हस्त १२/०७ रात्रि तक; कार्तिक कृष्ण १२ १२/३६ दिन तक	**17** सूर्य षष्ठी व्रतारम्भ; पू.षा. १/१६ रा.अं. तक; कार्तिक शुक्ल ४ ११/०४ दिन तक	**24** तुलसी विवाह, चातुर्मास समाप्त; पंचक ४/०१ शाम तक; प्रदोष व्रत; रेवती ४/०१ शाम तक; कार्तिक शुक्ल १२ ७/०७ रात्रि तक	ता.२३ सत्य सांई बाबा जयंती
शनि	**4** पुनर्वसु ७/५६ प्रातः तक; कार्तिक कृष्ण ७ १२/५१ रात्रि तक	**11** छोटी दीपावली; नरक चतुर्दशी; चित्रा १/४५ रा.अं. तक; कार्तिक कृष्ण १३ १/५१ दिन तक	**18** लाभ पंचमी, स्कंद षष्ठी; गुरू गोविंद सिंह पु.ति.; उ.षा. १२/०५ रात्रि तक; कार्तिक शुक्ल ५ ९/११ प्रातः तक	**25** वैकुण्ठ चतुर्दशी; अश्विनी २/५४ दिन तक; कार्तिक शुक्ल १३ ५/२३ शाम तक	ता. २६ डॉ. हरी सिंह गौर जयंती

सागर							
सूर्योदय	दिनांक	1–6/20	5–6/23	10–6/26	15–6/29	20–6/32	25–6/36
सूर्यास्त	दिनांक	1–5/36	5–5/34	10–5/32	15–5/30	20–5/28	25–5/28

शुभ और अशुभ को पहिचानें : आनंददायी जीवन के लिए

सूर्योदय प्रातः 6 बजे होने पर राहुकाल, गुलिककाल एवं यमगण्डकाल का उपरोक्तनुसार समय रहेगा। सूर्योदय के समय परिवर्तन पर उक्त समय में अन्तर की गणना कर सही समय ज्ञात कर लें।

दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)	दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)
रविवार	4:30 से 6:00 सायं	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	बुधवार	12:00 से 1:30 दोपहर	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन
सोमवार	7:30 से 9:00 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह	10:30 से 12:00 अपरान्ह	गुरूवार	1:30 से 3:00 अपरान्ह	9:00 से 10:30 दिन	6:00 से 7:30 प्रातः
मंगलवार	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	9:00 से 10:30 प्रातः	शुक्रवार	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन	3:00 से 4:30 अपरान्ह
				शनिवार	9:00 से 10:30 प्रातः	6:00 से 7:30 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह

पंचक
ता. २० को प्रातः १०/१७ से ता. २४ को शाम ४/०१ तक

मूल
अश्लेषा के ता. ५ को प्रातः १०/२८ से ता. ६ को दिन १/२१ तक फिर मघा के ता. ७ को शाम ४/२२ तक। ज्येष्ठा के ता. १४ को रा.अं. ३/२३ से ता. १५ को रा.अं. २/५९ तक फिर मूल के मूल ता. १६ को रा.अं. २/१५ तक। रेवती के ता. २३ को शाम ५/१५ से ता. २४ को शाम ४/०१ तक फिर अश्विनी के ता. २५ को दिन २/५४ तक।

भद्रा
ता.३ को १२/०६ रात्रि से ता.४ को १२/४९ दिन तक। ता.७ को ६/३५ शाम से ता.८ को ७/४१ प्रातः तक। ता.११ को १२/५२ दिन से १/२१ रात्रि तक। ता.१६ को १२/०० रात्रि से ता.१७ को ११/१८ दिन तक। ता.१९ को ५/१६ रात्रि अंत से ता.२० को ४/०६ दिन तक। ता.२३ को ६/०७ प्रातः से ८/०६ रात्रि तक। ता.२६ को २/५६ दिन से २/२६ रात्रि तक। ता.२९ को १/४६ रात्रि से ता.३० को २/०३ दिन तक भद्रा रहेगी।

दीपावली पूजन मुहूर्त
प्रदोष व्यापिनी अमावस्या में लक्ष्मी पूजन शास्त्र सम्मत है ता.१२ नवम्बर दिन रविवार को अमावस्या १/५० दिन से है। ५/०१ शाम से ६/५५ रात्रि तक प्रदोष काल, गोधूली बेला व स्थित लग्न विशेष शुभ मुहूर्त है।

जैन पर्व
श्वेताम्बर जैन पर्व- ता.१२ पाक्षिक प्रतिक्रमण, ता.१३ भगवान महावीर निर्वाणोत्सव, ता.१४ वीर निर्वाण नवसंवत्सर प्रारंभ, ता.१५ भाई बीज, ता.१८ श्री ज्ञान पांचम, ता.१९ चौमासी अट्ठाई प्रारंभ, ता.२६ चातुर्मासिक प्रतिक्रमण, सिद्धाचल यात्रा, चातुर्मास समाप्त।

पुष्य नक्षत्र : ता.४ को ७/५६ प्रातः से ता.५ को १०/५८ दिन तक।
रवि पुख योग : ता.५ को सूर्योदय से ११/४९ दिन तक।
व्यतिपात योग : ता.२४ को ६/२६ दिन से ता.२५ को ६/४६ प्रातः तक।
द्विपुष्कर योग : ता.१९ को ११/३२ रात्रि से ५/१६ रा.अं. तक। ता.२८ को १/४० दिन से रा.अं. तक।
त्रिपुष्कर योग : ता.४ को सूर्योदय से ६/४३ दिन तक

अच्छे योद्धा कभी दूसरों के पास नहीं जाते बल्कि दूसरों को अपने पास आने के लिए मजबूर करते हैं।

भाजपा ने छिंदवाड़ा निगम क्षेत्र अंतर्गत में बनाए सेक्टर समन्वयक एवं प्रभारी

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी छिंदवाड़ा नगर मंडल एक एवं दो मंडल अध्यक्ष द्वय रोहित पोफली एवं अंकुर शुक्ला द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष एवं छिंदवाड़ा विधानसभा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू की सहमति से छिंदवाड़ा नगर निगम क्षेत्रों के 48 वार्डो में विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार को गति प्रदान करने की दृष्टि से सेक्टर समन्वय एवं प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी दी गई जिसमें वार्ड क्र. 5,6,7,8 में दिन्शू यादव, वार्ड क्र. 11,12,13,14,15,17 में धर्मेन्द्र मिगलानी, वार्ड क्र. 18,21,22 में अभिलाष गोहर, वार्ड क्र. 34,35,36,37,38 में योगेश सदारंग, वार्ड क्र. 33 एवं 40 में शरद जामठे को समन्वयक बनाए गए है इसी प्रकार छिंदवाड़ा नगर निगम में सेक्टर प्रभारी वार्ड क्र. 1,2,3 में संतोष राय, वार्ड 4,9,10 में रिजवान कुरैशी, ओम चौरसिया, वार्ड 5,6,7,8 में दारा जुनेजा, सोमू सेंगर, निन्ना शुक्ला, विशाल शर्मा, मोनू राय, वार्ड 11,12 भरत घई, वार्ड 13, 14 तरुण मल्होत्रा, संजय अग्रवाल, वार्ड 15,17 दीपक मिगलानी, वार्ड 18,21,22 शिव मालवी, वार्ड 19,20 सौरभ ठाकुर, वार्ड 23,24 मनोज चौरे, मनोज मंडराह, वार्ड 26,29 अरविंद राजपूत, वार्ड 27,28 पंकज पाटनी, वार्ड 25,32 विजय पांडे, वार्ड 30,31 नौसादउद्दीन, वार्ड 33,40 मोरेश्वर हिवसे, वार्ड 34,35,36,37,38 जगेन्द्र अल्डक, वार्ड 41,42 राजेन्द्र बाकलीवाल, वार्ड 43,44,46 नितिन खण्डेलवाल, वार्ड 45,47,48 ग्यासुद्दीन पाशा को बनाया गया है ।

अज्ञात बुजुर्ग महिला का मिला शव

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा थाना अंतर्गत ग्राम कोंडरा के एक खेत में अज्ञात महिला मृत अवस्था में मैं मिली है जिसकी उम्र करीबन 70 साल उसके सिर के बाल सफेद घुंघराले चेहरे में दाएं तरफ पुरानी चोट केश्च निशान सफेद दाग जैसे शरीर में काली हरे रंग की फुल आस्तीन वाली बनियान एवं नीले रंग की साड़ी जिसमें सिंदूरी रंग की बॉर्डर साड़ी में फूल जैसे बने हुए हैं एवं आकाशी रंग का ब्लाउज पहने हुए, मृतका ने गले में शादी गुरिया की माला पहनी है एवं दाहिने हाथ की तीसरे नंबर की उंगली में तीन अंगूठी जिसमें दो लोहे की धातु जैसी एवं एक पीतल जैसी धातु की अंगूठी पहनी हुई है उक्त मृतिका की पहचान नहीं हो पाई है ।

9 नामांकन पत्र स्वीकृत एक अस्वीकृत.

अमरवाड़ा। विधानसभा क्षेत्र निर्वाचन नामांकन पत्रों की समीक्षा 9 नामांकन पत्र स्वीकृत 1 अस्वीकृत. अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 123 के जमा किए गए 10 नामांकन पत्रों की जांच सविक्षा का कार्य 31 अक्टूबर को 11ः00 बजे प्रारंभ हुआ विधानसभा निर्वाचन अधिकारी हेमकरण धुर्वे ने जांच उपरांत9 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र विधि सम्मत पाए जाने के कारण वैद्य घोषित किए गए जिसमें (1)मोनिका मनमोहन शाह बट्टी 6भारतीय जनता पार्टी8(2) राजकुमार सरेआम (निर्दलीय,) (3) देवी राम भलावी6 निर्दलीय8(4) भूरेलाल सरेआम (निर्दलीय) (5) कमलेश प्रताप शाह6 इंडियन नेशनल कांग्रेस8(6) शिव प्रताप सिंह ठाकुर (निर्दलीय) (7) संतलाल परेतेति(निर्दलीय)(8) विनोद धुर्वे(निर्दलीय)(9) रामप्रसाद इनवाती (निर्दलीय) एकमात्र नामांकन रंजीत उइके का अ-विधि मान होने से अस्वीकृत किया गया।

जाम सांवली मंदिर में किया गया सुन्दर काण्ड

छिंदवाड़ा। विश्व कल्याण हेतु 108 नेशनल-इन्टर नेशनल स्थानों पर सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें चमत्कारी श्री हनुमान मंदिर जांम सांवली में सुन्दर काण्ड का आयोजन किया गया। आर्ट आफ लिविंग की सुमन साहू ने बताया कि हमारा संकल्प घर-घर पहंचे गीता रामायण और हनुमान।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर नतमस्तक हुये कांग्रेसजन

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई

छिन्दवाड़ा। देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजन ने उन्हें अपनी भावपूर्ण पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेसजन सर्वप्रथम इंदिरा तिराहा तत्पश्चात इंदिरा प्रियदर्शनी पार्क पहुंचे और आयरण लेड़ी श्रीमती इंदिरा गांधी की

प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। श्रीमती गांधी के द्वारा बताये गये सदमार्ग पर चलते हुये देशहित व समाजहित में कार्य करने का संकल्प भी लिया। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में देश ने नये आयामों को छुआ। उन्होंने कोयला खदानों और बैंकों के केन्द्रीयकरण से लेकर देश को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सम्पन्न राष्ट्र बनाने हेतु ठोस व निणार्यक फैसले लिये।अखण्ड भारत के सूत्रधार व स्वतंत्रता सेनानी सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन कर देश की आजादी में उनके योगदान को याद किया।

जुन्नारदेव के कांग्रेस प्रत्याशी सुनील उइके पॉच करोड तीस लाख व पत्नि पर एक करोड़ पच्चीस लाख की देनदारी

विधायक की वार्षिक आय 10 लाख 86 हजार रूपए

छिंदवाड़ा। जुन्नारदेव के कांग्रेस प्रत्याशी सुनील उईके ने चुनाव आयोग को जो सम्पति का ब्यौरा दिया है, वह चर्चा का विषय ब ना हुआ है, सुनील उईके को विरासत में कुछ नहीं मिला है। उन्होने अपनी आय का स्त्रोत वेतन(विधायक)कृषि, शॉपिंग माल, ट्रक, मोटर मालिक, टावर किराया एवं भवन किराया से बताया है।

सुनील उईके की पत्नि श्रीमती रीता उईके का व्यवसाय कृषि, केशर बिल्डिंग निर्माण में भागीदारी व बिल्डिंग किराया बताया है। सुनील उईके के पास नगदी 12 लाख 94 हजार 438 रूपए एवं पत्नि के 7 लाख 59 हजार 751 रूपये है।

विधायक सुनील उईके पर 5 करोड़ 30 लाख 56 हजार 191 रूपये एवं उनकी पत्नि श्रीमती रीता उईके पर 1 करोड़, 25 लाख, 39 हजार, 255 रूपये की देनदारी है। जबकि उनक सालाना आय वर्ष 22-23 में 10 लाख 86 हजार 160 रूपये, वर्ष 2021-22 में 9 लखा 11 हजार 140 रूपये, वर्ष 2020-21 में 7 लाख 1 हजार 300 रूपये, वर्ष 2019-20 में 6 लाख 23 हजार 590 रूपये, 2018-19 में 7 लाख 91 हजार 290 रूपये है।

जबकि इनकी पत्नि की आय वर्ष 2022-23 में 7 लाख, 48हजार 920 रूपये, वर्ष 2021-22 में 7 लाख 13 हजार 500 रूपये, वर्ष 2020-21 में 7 लाख 5 हजार 790 रूपये, वर्ष 2019-20 में 6 लाख 93 हजार 230 रूपये एवं वर्ष 2018-19 में 6 लाख 80 हजार 590 रूपये हे। विधायक ने बाजार में अग्रिम ऋण 59 लोगों से असुरक्षित ऋण 156 लोगों से लिया है, जिसमें नगद, फर्नीचर, किराना एवं अन्य लोगों के नाम है। विधायक के पास एक बोलेरो एवं दो ट्रक है। कृषि भूमि, मोबईल टावर, वाणिज्य भवन परासिया रोड, अन्य भूमि एवं कालेज पत्नि के नाम है। आवासीय भवन भोपाल में एवं जुन्नारदेव में एवं प्लाट भी है। विधायक के ऊपर बैंको का भी ऋण है, विधायक के पास 80 ग्राम सोना व पत्नि के पास 180 ग्राम सोना एवं 1.50 किलो चांदी है।

पुलिस ने की नागपुर-सौंसर और सिवनी रोड पर छोटे-बड़े वाहनों की जाँच

छिन्दवाड़ा। आदर्श आचरण संहिता के दृष्टिगत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज तेहनगुरिया द्वारा सभी छोटे, बड़े व घरेलू उपयोग के वाहन और सभी व्यवसायिक वाहन स्वामी एवं वाहन चालकों को सखूती के साथ ये निर्देश जारी किये गये हैं कि सभी वाहनों के संचालक अपने-अपने वाहनों में अगर किसी भी राजनैतिक दल से सम्बंधित किसी भी प्रकार के स्लोगन, फोटो, बैनर इत्यादि लगे हों तो उसे तत्काल हटायें। इसी प्रकार सभी वाहन के संचालक अपने-अपने वाहनों मे नम्बर प्लेट के साथ ही विभिन्न दलों के पदनाम को भी नेमप्लेट लग हो तो उसे भी तत्काल हटायें। कई वाहनों के ऊपर बिना अनुमति के सर्च लाइट व हूटर सायरन का उपयोग हो रहा हो तो वे सभी अपने वाहनों से तुरंत निकालकर अलग करें, अन्यथा आदर्श आचरण सहिता का उल्लंघन करते पाये जाने पर वाहनों को जप्त कर मध्यप्रदेश मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जायेगी । इन बिन्दुओं पर जाँच कार्यवाही चुनाव प्रक्रिया के दौरान निरंतर जारी रहेगी । उन्होंने बताया कि आज परिवहन जाँच दल द्वारा नागपुर-सौंसर मार्ग पर सुबह से ही जाँच कार्यवाही जारी रखी और सिवनी रोड पर कुण्डीपुरा थाने के सामने भी देर शाम तक वाहनों की जाँच की गई जिसमें सभी वाहनों से सर्च लाइट, हूटर, सायरन, राजनैतिक दलों के पोस्टर आदि निकलवाये और ऐसे वाहन संचालकों के 8 वाहन चालकों

पुलिस 10 घंटे के अन्दर ही हत्या के आरोपी को पकड़ा

छिन्दवाड़ा। थाना चौरई के ग्राम बरेली पार में 29 तारीख को मृतक पंजीलाल अपने खेत मे मक्का की रखवाली करने रात्रि जब सोने के लिए गया तो रात 10 से 11 बजे के बीच गया था तो कुछ नव युवकों द्वारा लाठी डंडे से मृतक के ऊपर हमला कर उसकी हत्या कर दी थी पुलिस ने पहले अज्ञात पर मामला दर्ज किया फिर जब जांच चालू की तो पुलिस ने अपराध घटने के 10 घंटे के भीतर ही आरोपियों को पकड़ने में सफतला मिल गई । पुलिस ने बताया कि हत्या का मुख्य आरोपी कमल भलावी उम्र 21 वर्ष अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था असल मे आरोपी कमल की मृतक की बेटी से बातचीत होती थी जिससे नाराज होकर पिता पंजीलाल ने कमल को डांटते और पीटा भी था जिसको लेकर उसके अंदर बदला लेने की ठानी और अपने साथी दोस्तो के साथ मिलकर हत्या कर दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने पूरी जानकारी दी।

मतदाता जागरूकता के लिये अमरवाड़ा,चौरई और हर्रई में निकाली गई वाहन रैली

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री पार्थ जैसवाल के मार्गदर्शन में आज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 123-अमरवाड़ा में शिक्षा विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता के लिये वाहन रैली निकाली गई । राजस्व अनुविभागीय अधिकारी श्री हेमकरण धुर्वे व तहसीलदार अमरवाड़ा द्वारा तहसील परिसर से हरी झंडी दिखाकर इस वाहन रैली को रवाना किया गया। विभिन्न मार्गों से होती हुई यह वाहन रैली इंदिरा गांधी स्टेडियम ग्राउंड अमरवाड़ा पहुंची जहां इसका समापन हुआ । वाहन रैली में स्वीप नोडल अधिकारी व बीआरसी अमरवाड़ा श्री अजय कुमार शर्मा, बीएसी श्री राजकुमार विश्वकर्मा व श्री महेंद्र झरिया सहित सभी जनशिक्षकों और शिक्षकगणों ने सहभागिता की। इस वाहन रैली द्वारा नारों के माध्यम से मतदाताओं को शत-प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया गया। इसी प्रकार विकासखंड हर्रई में भी जनपद शिक्षा केंद्र हर्रई द्वारा हर्रई नगर में वाहन रैली निकाली गई।

चौरई में मतदाता जागरूकता रैली

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी पार्थ जैसवाल के मार्गदर्शन में जिले में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वीप गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र 124-चौरई में मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत राजस्व अनुविभागीय अधिकारी प्रभात मिश्रा, नोडल स्वीप प्लान अधिकारी चौरई विजय पवार, स्वीप प्रभारी राकेश कुमार मालवीय के संयोजन में आज डी.पी.मिश्रा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चौरई में मुख्य नगर पालिका अधिकारी चौरई अभयराज सिंह, जनपद शिक्षा केन्द्र चौरई के बीएसी सुखराम डेहरिया व प्राचार्य सी.पी.कार्तिकेय के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता रैली संपन्न हुई ।

एकता एवं अखंडता बनाने की सोच रखने वाले महापुरुष थे सरदार वल्लभ भाई पटेल

एन एस एस इकाई ने निकाली कौमी एकता रैली, ली एकता की शपथ

छिंदवाड़ा। भारत रत्न से सम्मानित लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर ज्ञान ज्योति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खजरी छिंदवाड़ा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई में कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला संगठक महोदय के कुशल मार्गदर्शन में रासेयो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी विनोद तिवारी के नेतृत्व में सभी स्वयं सेवकों ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर राष्ट्र की एकता अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने एवं देश में शांति सदभाव कायम रहे की शपथ ली। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी विनोद तिवारी ने कहा की देश की एकता एवम अखंडता के प्रतीक आधुनिक भारत के शिल्पकार महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न से सम्मानित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर हम सभी संकल्पित होवे की हम एकता और अखंडता बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देगे। साथ ही समाज में अमन चैन कायम रहे इसके लिए सर्व धर्म सदभाव बनाए रखने का प्रयास करेगे । आज सभी एन एस एस के स्वयं सेवकों ने सदभाव रैली एवं शपथ लेकर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया । इस अवसर पर महिला इकाई की रासेयो कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती नीता स्वामी,सहयोगी सुश्री साधना धुर्वे, श्रीमती माया पांडे, श्रीमती उमा उइके, अभिषेक विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, श्रीमती उर्मिला घोगरे उपस्थित थी। इस अवसर पर रासेयो के स्वयं सेवकों ने रासेयो के प्रेरणा गीत गाया एवम एकता के नारे लगाते हुए लोगो को महान स्वतंत्रता सेनानी लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेने की बात कही।

मतदान दलों के प्रथम प्रशिक्षण में अनुपस्थित 58 मतदानकर्मियों को कारण बताओ नोटिस

छिन्दवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत गत 26 से 29 अक्टूबर 2023 तक मतदान दलों के प्रथम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा इस प्रशिक्षण में अनुपस्थित 58 मतदानकर्मियों को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही व उदासीनता बरतने के साथ ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134, म.प्र.सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 और भर्ती नियमों के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी में आने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर तत्काल तथ्यात्मक उत्तर जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं । कारण बताओ नोटिस का उत्तर प्रस्तुत नहीं करने अथवा समाधानकारक उत्तर नहीं होने की स्थिति में संबंधित के विरूध्द लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 134, म.प्र.सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 और भर्ती नियमों में दिये गये प्रावधानों के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी ।

राजाखोह चौकी और गांगीवाड़ा के आगे एसएसटी चौकी का किया निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत छिंदवाड़ा/पांढुर्णा जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 125-सौंसर व 126-छिंदवाड़ा के लिये नियुक्त व्यय प्रेक्षक श्री डी.के.श्रीवास्तव द्वारा आज जिले के नरसिंहपुर रोड पर स्थित राजाखोह चौकी और परासिया रोड पर स्थित गांगीवाड़ा के आगे एसएसटी चौकी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लायजनिंग अधिकारी श्री कमलेश निर्गुणकर, सहायक लायजनिंग अधिकारी श्री विवेक चौहान और सहायक व्यय प्रेक्षक श्री पलाश जायसवाल साथ में थे ।

पति की लम्बी उम्र के लिए आज महिलाओं का निर्जला व्रत

छिंदवाड़ा। करवा चौथ का व्रत महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ करती हैं। करवा चौथ की पूजा अक्सर महिलाएं समूह में करती हैं और एक-दूसरे के साथ करवा बदलकर यह पूजा की जाती है। करवा चौथ पर महिलाएं अकेले भी पूजा कर सकती हैं। करवा चौथ का व्रत महिलाएं पति की दीर्घायु और स्वयं सदा सुहागिन रहने के लिए करती हैं। इस दिन महिलाएं सुबह के वक्त सरगी खाकर इस दिन की शुरुआत करती हैं और फिर पूरे दिन निर्जला व्रत करती हैं। शाम करवा माता की पूजा करती हैं और कथा का पाठ करती हैं। फिर चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं और पति के चरण छूकर सदा सुहागिन रहने का आशीर्वाद लेकर अपना व्रत पूर्ण करती हैं।

करवा चौथ की पूजा का शुभ मुहूर्त

करवा चौथ की पूजा दोपहर के बाद और शाम शुरू होने से पहले महिलाएं करती हैं। चतुर्थी तिथि का आरंभ 31 अक्टूबर की रात को 9 बजकर 30 मिनट से होगा और यह 1 नवंबर को रात में 9 बजकर 19 मिनट तक रहेगी। करवा चौथ की पूजा का 1 नवंबर की शाम को 5 बजकर 36 मिनट से शाम को 6 बजकर 54 मिनट तक रहेगा।

करवा चौथ क्विन प्रथम रही दीप्ति मक्कड़

रोटरी क्लब ऑफ प्राइड ने मनाया प्री करवा चौथ, हुए अनेकों रोचक गेम्स

छिंदवाड़ा। रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा प्राइड के द्वारा करवा चौथ के उपलक्ष में प्री करवा चौथ फेस्टिवल आयोजित किया गया। जिसमें रोचक गेम्स,स्पेशल हाउसी ,संगीत मय स्प्राइज़े प्रश्न पूछे गये, रैंप वॉक के साथ डिनर का भी आयोजन किया गया सभी क्लब मेंबर्स एवम अन्य महिलाओ को बहुत आनंद उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमति वर्षा जैन जी एवम चौरई श्रीमती मधु मिश्रा उपस्थित रही साथ ही क्लब अध्यक्ष नीलम डोडानी सचिव अंजली नायक कोषाध्यक निधि अग्रवाल, डॉ अंजू चौहान, अनिता वत्रा, स्वाति जैन, जया गोखलानी, कृषिका, केतकी,हर्षा, पूजा, रीत, बिभूति दुबे, बैशाली लवाले, उपस्थित रही। इस अवसर पर बैस्ट प्री करवा चौथ क्वीन में प्रथम पुरस्कार दिप्ती मक्कड़, द्वितीय रानी भुई, तृतीय केतकी राजपूत,चौथा सुरभि माधवानी, और पांचवां मान्या नथानी को दिया गया। गेम की विनर प्रथम पूजा भार्गव दुतीय प्रतिभा श्रीवास्तव, तृतीय हर्षा मक्कड़ रही।

गौधुली वृद्धाश्रम में मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

सर्वोदय अहिंसा के साथ जैन बंधुओं ने किया फल वितरण एवं पौधारोपण

छिंदवाड़ा। सकल जैन समाज के साथ अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन एवं सर्वोदय अहिंसा के जिनशासन सेवक अहिंसा प्रेमी विविध अनुष्ठानों के साथ आगामी कार्तिक कृष्ण अमावस्या 13 नवंबर को अहिंसा के प्रणेता एवं जियो और जीने दो के उदघोषक वर्तमान शासन नायक 1008 तीर्थंकर महावीर भगवान का 2550 वां निर्वाण महोत्सव मनावेगा।

श्री वीर प्रभु के निर्वाण महोत्सव की मंगल बेला एवं राष्ट्रीय एकता दिवस की खुशी में सामाजिक संस्था सर्वोदय अहिंसा के साथ जैन बंधुओं ने 31 अक्टूबर को धर्म नगरी छिंदवाडा के गौधुली वृद्धाश्रम में उत्सव मनाकर विश्व बंधुत्व के साथ सर्वोदय अहिंसा की पवित्र भावना पूर्वक भारत की एकता एवं अखंडता की शपथ ली। इस अवसर पर सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक दीपक राज जैन, ऋषभ जैन, श्रीमती राजकुमारी जैन, संगीता जैन, रिद्धिमा जैन, मास्टर आराध्य जैन एवं कुमारी आराध्या जैन ने सभी बुजुर्गों सहित उनकी सेवा में सलग्न सभी देवादारों को फल, मिष्ठान एवं बिस्किट के पैकेट का वितरण कर पौधारोपण किया। आयोजन के दौरान अहिंसा प्रेमियों ने सभी बुजुर्गों के स्वास्थ लाभ की मंगल कामना के साथ उनके चरण स्पर्श कर श्री वीर प्रभु के 2550 वें निर्वाण महोत्सव एवं राष्ट्रीय एकता दिवस की मंगलकारी शुभकामनाएं दीं।

7 दिसम्बर को कमलनाथ मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगे: नकुलनाथ

दस गांवों के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

छिंदवाड़ा। सांसद नकुलनाथ ने कहा कमलनाथ जी 7 दिसम्बर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगे और आप सभी शपथ ग्रहण समारोह में आईये, नकुलनाथ आऊट सोर्स के कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि कांग्रेस की सरकार में कोई भी आऊट सोर्स का कर्मचारी नहीं होगा, सभी सरकारी कर्मचारी होंगे। कार्यक्रम में कर्मचारी नेता वासुदेव शर्मा उपस्थित थे।

मैं और कमलनाथ हम अपनी सभी जन सभाओं में इस बात पर जोर देकर कह रहे हैं कि यह विधानसभा चुनाव हमारे छिन्दवाड़ा और म.प्र. के भविष्य का चुनाव है। केवल जीत हार के निर्णय से भविष्य निर्धारित नहीं होगा, भाजपा धनबल, बाहुबल और प्रशासनिक दबाव से बहुत से हथकंडे अपनायेगी परन्तु निर्णय हमें लेना है कि हम तत्काल के लाभ को देखें या फिर अपनी वर्तमान और भावी पीढ़ी के सुखद भविष्य के निर्माता बनें, क्यूंकि हम खुद अपने भाग्य विधाता है इसीलिये हर निर्णय सोच समझकर लेना होगा। उक्त उदगार आज जिले के सांसद नकुलनाथ ने अपने परासिया विधानसभा क्षेत्र के दस ग्रामों में रोड शो करते हुये चर्चा, चौपाल तथा नुक्कड़ सभाओं में व्यक्त किये। नकुलनाथ ने मां हिंगलाज की पूजा अर्चना के उपरांत अपना सड़क सम्पर्क प्रारम्भ किया। उन्होंने कहा कि निश्चित ही परासिया विधानसभा क्षेत्र के दमदार प्रत्याशी के रूप् में सोहन वाल्मीक जी ने सभी के दिलों में जगह बनाई है और आप इन्हें जो अपना एक वोट देंगे असल में वह दो वोट होंगे और वह दूसरा वोट कमलनाथ जी को मुख्यमंत्री बनायेगा। सांसद के रोड शो के दौरान ग्राम इकलहरा, भाजीपानी, चरईकला, दबाई, लेखावाड़ी, बेलगांव, बरारिया व न्यूटन चिखली में ग्रामीणजनों ने अपने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया, अनेकों चौक पर मातृशक्ति ने तिलक लगाकर तो युवा शक्ति ने अपने गगनभेदी नारों से स्वयं एवं कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया। सांसद के इस रोड शो से कोयलांचल क्षेत्र में कांग्रेस में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। अपने जनसम्पर्क के दौरान सांसद नकुलनाथ ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर आमजन को दिये गये 101 वचनों से जिले व प्रदेश में होने वाले परिवर्तन व खुशहाली पर विस्तार पूर्वक चर्चा की साथ ही कहा कि श्री कमलनाथ जी द्वारा दिये गये यह वचन समाज के सभी वर्ग, किसान, नौजवान, व्यापारी, मातायें, बहनें, बेरोजगार, युवा, खिलाड़ी व बुजुर्गों के अरमानों को पूरा करेंगे।

हमें कांग्रेस की शान बनाये रखना है: श्रीमती प्रियानाथ

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस नेत्री श्रीमती प्रियानाथ ने आज छिन्दवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम परतला, मानेगांव व गांगीवाड़ा में सघन जनसम्पर्क कर कमलनाथ को चुनकर पुनः मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। ग्राम परतला से प्रारंभ हुये इस जनसम्पर्क के प्रारंभ में श्रीमती प्रियानाथ ने माता मंदिर में पूजा अर्चना व आरती करने के उपरांत सभी उपस्थित महिलाओं से सौजन्य भेंट की। अपने सधे हुये व्यवहार के चलते श्रीमती नाथ ने आयोजित महिला सभाओं में सभी महिलाओं के बीच बैठकर पहले सभी की बातें सुनी तथा ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को जाना।

रोप स्किपिंग खेल की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिये जबलपुर संभाग की टीम हुई रवाना

छिन्दवाड़ा। पीएम श्रीकेन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक छिंदवाड़ा से जबलपुर संभाग की रोप स्किपिंग खेल की राष्ट्रीय टीम राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिये केंद्रीय विद्यालय सिकंदराबाद के लिए रवाना हुई । इस टीम में केन्द्रीय विद्यालय बड़कुही के 13 छात्र राजवीर यदुवंशी, जयंत गोहिया, अनुराग राव, प्रतीक, मोहम्मद यासिर हुसैन, मोहम्मद आहान, तेजस, देवांश व अनंत, केन्द्रीय विद्यालय सीधी के 3 छात्र ध्रुव कुमार मिश्रा, कुडलेश कोरी व नितिन कुमार शुक्ला और पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-एक छिंदवाड़ा के एक छात्र सूर्यांश डेहरिया का चयन किया गया है ।पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक छिंदवाड़ा के प्राचार्य श्री हरि प्रसाद धारकर ने बताया कि इस टीम के कोच के रूप में केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2 छिंदवाड़ा के खेल प्रशिक्षक नईम खान और केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक के ग्रंथपाल दिनेश राम मैनेजर के रूप में नियुक्त किए गये है। उन्होंने बताया कि टीम के रवाना होने के अवसर पर प्राचार्यधारकर, उप प्राचार्यडी.एस.दीवान और खेलकूद प्रभारीहिमांशु जायसवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खिलाड़ियों को शुभकामनायें दीं। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन अपने विद्यार्थियों के लिए अनेक प्रकार की खेलकूद प्रतियोगितायें आयोजित करता है और राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थियों को सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित करता रहता है ।

नागरिकों के लिये भारत निर्वाचन आयोग का सी-विजिल मोबाईल एप

छिन्दवाड़ा। भारत निर्वाचन आयोग ने सी-विजिल नामक एक सरल लेकिन प्रभावीमोबाईल एप डिजाइन और विकसित की है। यह मोबाईल एप्लीकेशन निर्वाचन के दौरान जागरूकता, विश्वास और आत्मविश्वास पैदा करके नागरिकों के साथ विश्वास आधारित साझेदारी को सुगम बनाता है । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तैयारसी-विजिल मोबाईल एप निर्वाचनों के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने जैसे रिश्वतखोरी, मुफ्त उपहार, शराब वितरण, अनुमत्य समय के बाद लाउडस्पीकर बजाने वालों के खिलाफ नागरिकों को रिपोर्ट करने के लिए सशक्त बनाता है। इस मोबाइल एप का उपयोग करके नागरिक लाइव फोटो या वीडियो कैप्चर तैयार करते हैं। निर्वाचन तंत्र उल्लंघन का साक्ष्यिक सबूत मिलते ही तुरंत कार्रवाई करने के लिए तैयार हो जाता है।

राजधानी में करवा चौथ की धूम चल रही है। महिलाएं मिलकर करवा चौथ मना रही हैं, तो सुहागलें हाथों में मेंहदी रचा रही हैं।

भोपाल। शासकीय कन्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बालरंग कार्यक्रम के तहत बच्चों की प्रस्तुति

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर आज मंत्रालय के समक्ष वंदे मातरम के साथ ही मध्यप्रदेश गान का भी सस्वर गायन हुआ। इस मौके पर मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, एसीएस गृह डा. राजेश राजौरा व अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भोपाल संभाग का ऊंट किस करवट बैठेगा ?

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भोपाल संभाग में ऊंट किस करवट बैठेगा ये तो चुनाव परिणाम आने के बाद ही साफ होगा। फिर भी अभी चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस और बीजेपी के सामने जो हालात बन रहे हैं, उन्हें देखकर पता चलता है कि दोनों ही दलों में कई जगह नाराजगी देखन को मिल रही है। वहीं कई सीटें ऐसी हैं जहां कांटे का मुकाबला है। कुछ सीटें ऐसी भी हैं जहां दलों की स्थित साफ दिख रही है। जानते हैं भोपाल संभाग की 25 सीटों का हाल।

भोपाल की 7 सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी की स्थिति

गोविंदपुरा- यहां से बीजेपी ने कृष्णा गौर को प्रत्याशी बनाया है। कृष्णा गौर का मुकाबला कांग्रेस के रवींद्र साहू से है। इस सीट पर कृष्णा गौर के सामने अपने ससुर और पूर्व सीएम बाबूलाल गौर की सीट बचाने की चुनौती है। हालांकि यहां यादव और ब्राह्मण वोटर्स निर्णायक हैं, जिनकी संख्या 25 फीसदी के आसपास है। इस सीट पर हिंदुत्व के मुद्दे का असर भी है। ऐसे में यहां कृष्णा गौर की स्थिति अच्छी कही जा सकती है।

भोपाल मध्य- यहां से बीजेपी ने ध्रुवनारायण सिंह को प्रत्याशी बनाया है। ध्रुवनारायण का मुकाबला कांग्रेस के आरिफ मसूद से है। इस सीट पर कांटे का मुकाबला दिखाई दे रहा है। हालांकि यहां मुस्लिम वोटर्स निर्णायक हैं।

भोपाल उत्तर- यहां से बीजेपी ने आलोक शर्मा को मैदान में उतारा है। आलोक शर्मा का मुकाबला कांग्रेस के आतिफ अकील से है। आरीफ अकील को कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया है। यहां कांग्रेस के नासिर इस्लाम की नाराजगी भी देखने को मिल रही है। ऐसे में आलोक शर्मा को फायदा हो सकता है। हालांकि यहां मुस्लिम वोटर्स निर्णायक हैं।

भोपाल दक्षिण-पश्चिम- यहां से बीजेपी ने भगवानदास सबनानी को प्रत्याशी बनाया है। सबनानी का मुकाबला कांग्रेस के पीसी शर्मा से है। यहां बीजेपी ने उमाशंकर गुप्ता का टिकट काटा है। ऐसे में कांग्रेस के पीसी शर्मा की राह आसान बताई जा रही है। यहां बीजेपी में सबसे ज्यादा नाराजगी है। बीजेपी के कई नेता सबनानी का विरोध कर रहे हैं।

नरेला- यहां से बीजेपी ने फिर से विश्वास सारंग पर भरोसा जताया है। सारंग का मुकाबला कांग्रेस के मनोज शुक्ला से है। इस सीट पर भी हिंदुत्व का मुद्दा असरकारक है। साथ ही विकास का फायदा भी विश्वास सारंग उठा सकते हैं। कुल मिलाकर बीजेपी यहां मजबूत स्थिति में कही जा रही है।

हालांकि यहां मुस्लिम फैक्टर भी असर डाल सकता है।

बैरसिया- यहां से बीजेपी ने विष्णु खत्री को मैदान में उतारा है। खत्री का मुकाबला कांग्रेस की जयश्री हरिकरण से है। यहां कांग्रेस को भितरघात की आशंका है। कांग्रेस नेता राम मेहर पार्टी से नाराज बताए जा रहे हैं।

हुजूर- यहां बीजेपी ने रामेश्वर शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। रामेश्वर शर्मा का मुकाबला कांग्रेस के नरेश ज्ञानचंदानी से है। यहां भी कांग्रेस को भितरघात की आशंका है। पूर्व एमएलए जितेंद्र डागा की बगावत की वजह से यहां कांग्रेस के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। डागा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

सीहोर जिले की 4 सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस की स्थिति

सीहोर- यहां बीजेपी ने विधायक सुदेश राय को प्रत्याशी बनाया है। सुदेश राय का मुकाबला कांग्रेस के शशांक सक्सेना से है। इस सीट पर विधायक सुदेश राय से लोग नाराज बताए जा रहे हैं। हालांकि सीएम शिवराज सिंह चौहान के प्रभाव के चलते बीजेपी को फायदा हो सकता है।

बुधनी- इस सीट से खुद सीएम शिवराज सिंह चौहान बीजेपी के प्रत्याशी हैं। शिवराज का मुकाबला कांग्रेस के विक्रम मस्ताल से है। शिवराज के लिए ये सीट जीतना बहुत आसान है।

इछावर- यहां से बीजेपी ने करण सिंह वर्मा को टिकट दिया है। वर्मा का मुकाबला कांग्रेस के शैलेंद्र पटेल से है। यहां भी सीएम शिवराज का प्रभाव बताया जा रहा है।

आष्टा- यहां बीजेपी ने गोपाल सिंह को मैदान में उतारा है। गोपाल सिंह का मुकाबला कांग्रेस के कमल चौहान से है। यहां बीजेपी ने विधायक रघुनाथ सिंह का टिकट काटा है। रघुनाथ सिंह की बीजेपी से नाराजगी गोपाल सिंह को नुकसान पहुंचा सकती है।

विदिशा जिले की 5 सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस की स्थिति

विदिशा- यहां से बीजेपी ने मुकेश टंडन को प्रत्याशी बनाया है। टंडन का मुकाबला कांग्रेस के शशांक भार्गव से है। यहां बीजेपी को भितरघात का खतरा सता रहा है। इस सीट से बीजेपी के 3 दावेदारों की नाराजगी देखने को मिल रही है।

सिरोंज- बीजेपी ने यहां से उमाकांत शर्मा को टिकट दिया है। शर्मा का मुकाबला कांग्रेस के गगनेंद्र रघुवंशी से है। यहां गगनेंद्र रघुवंशी को लेकर कांग्रेस के अंदर ही नाराजगी देखने को मिल रही है। बीजेपी को इससे फायदा हो सकता है।

शमशाबाद- यहां बीजेपी की तरफ से सूर्यप्रकाश मीणा चुनाव लड़ रहे हैं। मीणा का मुकाबला कांग्रेस के सिंधु विक्रम सिंह से है। यहां से बीजेपी ने विधायक राजश्री का टिकटा काटा है। राजश्री की नाराजगी से बीजेपी को नुकसान हो सकता है।

कुरवाई- यहां बीजेपी की तरफ से हरिसिंह सप्रे मैदान में हैं। सप्रे का मुकाबला कांग्रेस की रानी अहिरवार से है। मतदाताओं में रानी अहिरवार का भी अच्छा प्रभाव देखा जा रहा है। यहां मुकाबला कांटे का है।

बासौदा- यहां बीजेपी ने हरिसिंह रघुवंशी को प्रत्याशी बनाया है। रघुवंशी का मुकाबला कांग्रेस के निशंक जैन से है। यहां बीजेपी की लीना जैन टिकट कटने से नाराज हैं।

रायसेन जिले की 4 सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस की स्थिति

सांची- बीजेपी ने यहां से डॉ. प्रभुराम चौधरी को टिकट दिया है। चौधरी का मुकाबला कांग्रेस के जीसी गौतम से है। 2018 के चुनाव में यहां से बीजेपी ने भारी मतों से जीत दर्ज की थी।

सिलवानी- यहां बीजेपी की ओर से रामपाल सिंह मैदान में हैं। रामपाल का मुकाबला कांग्रेस के देवेंद्र पटेल से है। यहां सत्ता विरोधी लहर देखी जा रही है।

उदयपुरा- यहां से बीजेपी के नरेंद्र शिवाजी पटेल मैदान में हैं। नरेंद्र शिवाजी का मुकाबला कांग्रेस के देवेंद्र पटेल गडरवास से है। दोनों प्रत्याशियों का अच्छा प्रभाव देखने को मिल रहा है। यानी यहां कांटे का मुकाबला है।

भोजपुर- यहां से बीजेपी ने सुरेंद्र पटवा को मैदान में उतारा है। पटवा का मुकाबला कांग्रेस के राजकुमार पटेल से है। हालांकि पटवा के नामांकन फॉर्म में पूरी जानकारी नहीं देने की वजह से असमंजस है। उनके फॉर्म पर 1 नवंबर को फैसला होगा। वहीं पटवा को लेकर बीजेपी में भी नाराजगी देखी जा रही है।

राजगढ़ जिले की 5 सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस की स्थिति

राजगढ़- बीजेपी की ओर से अमरसिंह यादव मैदान में हैं। यादव का मुकाबला कांग्रेस के बापू सिंह तंवर से है। यहां सत्ता विरोधी लहर देखी जा रही है।

ब्यावरा- बीजेपी ने यहां से नारायण सिंह पंवार को चुनाव में उतारा है। पंवार का मुकाबला कांग्रेस के पुरुषोत्तम दांगी से है। यहां दांगी मतदाता 16 प्रतिशत के करीब हैं। इससे कांग्रेस प्रत्याशी को फायदा मिल सकता है।

नरसिंहगढ़- यहां बीजेपी ने विधायक राज्यवर्धन सिंह का टिकट काटकर मोहन शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। शर्मा का मुकाबला कांग्रेस के गिरीश भंडारी से है। राज्यवर्धन सिंह की नाराजगी बीजेपी के ठीक नहीं कही जा रही।

सारंगपुर- यहां बीजेपी ने मौजूदा विधायक का टिकट काटकर गौतम टेटवाल को प्रत्याशी बनाया है। टेटवाल का मुकाबला कांग्रेस की कला महेश मालवीय से है। बीजेपी को भितरघात की आशंका।

खिलचीपुर- बीजेपी की ओर से हजारीलाल दांगी मैदान में हैं। दांगी का मुकबाला कांग्रेस के प्रियव्रत सिंह से है। यहां प्रचार में बीजेपी सरकारी योजनाएं ही गिना रही है।

राजस्थान पुलिस ने मप्र का हाथी पकड़ा, मथुरा में सौंपा, मामला हाई कोर्ट पहुंचा

जबलपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर के हाथी को राजस्थान वन विभाग द्वारा पकड़कर उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित हाथी संरक्षण व पुनर्वास केंद्र को सौंपने का मामला हाई कोर्ट पहुंचा है।

मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ और न्यायथ्मूर्ति विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने मंगलवार को महावत की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद वन विभाग के प्रमुख सचिव, मुख्य वन संरक्षक भोपाल, मुख्य वन मंडलाधिकारी छतरपुर, डिवीजनल फारेस्ट आफिसर मथुरा, हाथी संरक्षण एवं पुनर्वास केंद्र मथुरा और मुख्य वन मंडलाधिकारी झालावाड़ (राजस्थान) को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

याचिकाकर्ता छतरपुर निवासी महावत रूप सिंह परिहार और महावत जगदीश दास गिरि की ओर से अपने हाथी को वापस लेने के लिए दायर याचिका पर अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि हाथी पालन याचिकाकर्ताओं का पुश्तैनी व्यवसाय है। दिल्ली स्थित हाजी गयूर खान नमक व्यक्ति द्वारा दान पत्र के माध्यम से मकना नामक नर हाथी को याचिकाकर्ताओं को दिया गया था। इसके लिए याचिकाकर्ताओं ने वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धारा 40 (ए) के तहत, मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक व प्रधान वन संरक्षक (वन्य प्राणी) भोपाल से अनुमति ले ली थी।

हाथी में लगाई गई चिप का भौतिक परीक्षण

वन मंडलाधिकारी छतरपुर से हाथी में लगाई गई चिप का भौतिक परीक्षण करके मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र जारी किए जाते रहे। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, वर्ष 2020 में उस हाथी को मूवमेंट के दौरान झालावाड़ (राजस्थान) के क्षेत्रीय वन संरक्षक ने जब्त करके उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित एनजीओ- हाथी संरक्षण एवं पुनर्वास केंद्र के हवाले कर दिया।

बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी, बादल छाने से बढ़ेगा रात का तापमान

भोपाल। हवाओं का रुख बदलने लगा है, साथ ही बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण प्रदेश में कुछ जगह बादल भी छने लगे हैं। इस वजह से न्यूनतम तापमान में कुछ वृद्धि होने लगी है। सोमवार-मंगलवार के बीच की रात प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस छिंदवाड़ा में दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम रहा।

हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 11.6 डिग्री सेल्सियस पर रहा। मंगलवार को प्रदेश में सबसे अधिक 34.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दमोह में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बादलों के कारण रात के तापमान में वृद्धि होगी, जबकि दिन का तापमान मामूली कम हो सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी एसएन साहू ने बताया कि हवाओं के साथ नमी आने के कारण कुछ बादल छा गए हैं। इस वजह से न्यूनतम तापमान में कुछ बढ़ोतरी होने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला के अनुसार, वर्तमान में पूरे प्रदेश में हवा का रुख पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी बना हुआ है। हवाओं के साथ बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी आने लगी है। इस वजह से मध्यम एवं ऊंचाई के स्तर पर बादल छा गए हैं।

मुश्किल में माननीय ! पूर्व सीएम उमा भारती के भतीजे का नामांकन होल्ड, गलत जानकारी देने पर इन दो पर भी आज होगा फैसला

भोपाल। निर्वाचन आयोग ने स्क्रूटनी के बाद प्रदेश के तीन प्रमुख नेताओं के नामांकन होल्ड कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि बीजेपी उम्मीदवार सुरेंद्र पटवा ने सजा की गलत जानकारी दी थी और मुकदमे भी छिपाए हैं। बीजेपी नेता को कोर्ट से कुल 28 मामले में सजा हुई है पर हलफनामे में केवल 6 मामले में सजा का जिक्र किया गया। इसे लेकर कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने आपत्ति जताई थी। बीजेपी उम्मीदवार और पूर्व सीएम उमा भारती के भतीजे राहुल लोधी पर भी गलत जानकारी देने का आरोप है। साथ ही कांग्रेस उम्मीदवार अजय सिंह पर खुद और पत्नी की संपत्ति की गलत जानकारी देने की शिकायत बीजेपी प्रत्याशी शरदेंदु तिवारी ने की है।

बीजेपी नेता के भाई की गोली मारकर हत्या- घर से बाहर बुलाया और कर दी फायरिंग, मौत से पहले चार लोगों के बताए नाम पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के भतीजे राहुल सिंह लोधी का नामांकन होल्ड मुकेश सेन, टीकमगढ़। जतारा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सुरेंद्र सिंह गौर के द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई थी कि मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के भतीजे राहुल सिंह लोधी का नामांकन होल्ड पर रखा जाए। क्योंकि नामांकन फार्म में जानकारी छुपाने का आरोप लगाया है। खरगापुर से कांग्रेस प्रत्याशी चंदा सिंह गौर की शिकायत पर खरगापुर एसडीएम विजय सेन ने राहुल लोधी का नामांकन फार्म होल्ड पर रखा है। आज इस मामले में एसडीएम कार्यालय में सुनवाई की जा रही है।

कांग्रेस की प्रत्याशी चंदा रानी गौर के द्वारा दर्ज शिकायत में कहा गया कि राहुल लोधी पर नामांकन फार्म में गलत जानकारी भरने को लेकर कहा की 1 साल पहले हाई कोर्ट जबलपुर में विधायक राहुल सिंह लोधी की विधानसभा सदस्यता शून्य घोषित करने का फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट ने फैसले में राहुल लोधी को विधायक के तौर पर मिलने वाली सभी सुविधाएं बंद करने की बात कही थी।

5383 वकीलों ने अब तक न सनद का वैरिफिकेशन करवाया न घोषणा पत्र भरा

इंदौर। 5383 वकीलों ने अब तक न सनद का सत्यापन करवाया है न ही किसी तरह का घोषणा पत्र भरा है। इंदौर अभिभाषक संघ ने इन वकीलों की सूची जारी कर दी है। 106 पेज की इस सूची में जिन अभिभाषकों के नाम हैं उन्हें 30 नवंबर 2023 तक अनिवार्य रूप से सनद का सत्यापन या घोषणा पत्र जमा कराना होगा। ऐसा नहीं करने वाले अभिभाषकों को राज्य अधिवक्ता परिषद और राज्य शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। इतना ही नहीं सत्यापन या घोषणा पत्र नहीं भरने वालों को राज्य अधिवक्ता परिषद और अभिभाषक संघ के निर्वाचन में मतदान का अधिकार भी नहीं रहेगा। इंदौर अभिभाषक संघ के अध्यक्ष गोपाल कचोलिया ने बताया कि राज्य अधिवक्ता परिषद की प्रशासनिक समिति (बार कौंसिल आफ इंडिया सर्टिफिकेट एंड प्लेस प्रैक्टिस वैरीफिकेशन नियम 2015 के अन्तर्गत समिति) की हाल ही में हुई बैठक में प्रस्ताव पारित हुआ है कि बार कौंसिल आफ इंडिया सर्टिफिकेट एंड प्लेस आफ प्रैक्टिस वैरीफिकेशन नियम 2015 के अंतर्गत 1 अप्रैल 2011 के पूर्व नामांकित अभिभाषकों को सत्यापन फार्म एवं 1 अप्रैल 2011 के बाद नामांकित अभिभाषकों को घोषणा फार्म अनिवार्य रूप से भरना है। ऐसा नहीं करने वाले अभिभाषकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं दिया जाएगा।

पेज 1 का शेष....

भारतीय रेल की ऑन बोर्ड हाऊसकीपिंग सर्विस हुई धांधलियों का शिकार

मगर इनको क्रोस चेक करने का विभाग में कोई ठोस प्रावधान ही नही किया है। ज्यादातर यात्री अपने सफर की दूरी तय करने के दौरान उक्त प्रावधानों पर गौर ही नही करते जिसका लाभ ठेकेदार उठाता है और यात्रियों को पूरी सुविधाएं न देकर भारतीय रेल को वित्तीय नुकसान पहुंचाता है।

सबसे पारदर्शी है कोच अटैण्डेंट सेवा में लापरवाही और भ्रष्टाचार- भारतीय रेल की इस सेवा में सबसे पारदर्शी भ्रष्टाचार और लापरवाही ए.सी. कोच के कोच अटैण्डेंट की सेवा में है। नियमानुसार प्रत्येक कोच में एक ए.सी. कोच अटैण्डेंट की तैनाती की जाती है। चलित ट्रेन में जितने ए.सी. कोच है उतनों की ड्यूटी लगाई जाती है। मगर भ्रष्टाचार यहीं से शुरु होता है। जब कोई ट्रेन अपने मूल स्टेशन से चलती है तो मैकेनिकल विभाग का प्रभारी सभी कोच अटेनण्डेंट का ड्यूटी चार्ट प्रभारी सुपरवाइजर को देता है जिसमें कोच अटैण्डेंट का नाम, उसे आबंटित कोच और भत्ते की राशि का विवरण होता है। कागजों में तो ये ड्यूटी चार्ट अटैण्डेंट की उपस्थिति दर्शाता है, मगर जमीनी हकीकत में इनमें से आधे ही ड्यूरी पर भौतिक रूप से उपस्थित होते हैं। चूंकि कुल कोचों की संख्या में से आधे कोच अटैण्डेंट होते है, इसका सीधा असर यात्री सुविधाओं पर पड़ता है। यानी जिस एक कोच अरण्डेंट को उस एक कोच के यात्रियों को सेवा देनी होती है, वह एक कोच अटैण्डेंट दो ए.सी. कोच को सेवाएँ देता है। अगर वित्तीय स्तर पर देखा जाए तो ठेकेदार संबंधित रेल डिवीजन से जितने कोच अटैण्डेंट की राशि का भुगतान लेता है, उतने से आधे ही कोच अटैण्डेंट ट्रेनों में मौजूद रहते है। यदि कम से कम पांच अटैण्डेंट की रोज की पगार का भुगतान गलत तरीकों से किया जाता है तो कल्पना कीजिए कि एक महिने, एक साल में कितना पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता होगा। क्या ये रेल अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव है? कदापि नहीं, क्योंकि आबंटित ठेकों की क्रमानुसार जांच करने का प्रावधान नियमों के तहत किया गया है। ऐसे मामलों के कुछ दस्तावेजी प्रमाण %ओपन आई% ने इन मामलों के दावा करने की पुष्टि के लिए कुछ दस्तावेजी प्रमाण विगत एक दो साल में इकट्ठे किए है। पहला मामला वर्ष 2019 का है जब 12104 ट्रेन में भोपाल से पुणे यात्रा के दौरान यह पाया गया कि ट्रेन के कुल आठ कोच में के लिए सिर्फ चार कोच अटैण्डेंट ही मौजूद थे। ट्रैन में मौजूद इंचार्ज ने इसकी पुष्टि करी जबकि मध्य रेल का पूना डिवीजन इस तथ्य को नहीं मान रहा है जबकि खुद ट्रेन के मौजूद टीटीई ने चार कोच अटेंडेंट नही होने की लिखित पुष्टि की है। मामला उच्च स्तर की जांच तक भी पहुंचा। दूसरे मामले में दक्षिण रेल्वे की तमिलनाडु एक्सप्रेस की यात्रा के दौरान जब 12622 ट्रेन के टीटीई ने जांच पड़ताल की तो यह पाया कि नई दिल्ली से चेन्नई जाने वाली इस ट्रेन की कुल 11 कोच में सिर्फ 5 कोच अटैण्डेंट ही बोर्डिंग किए थे। बाकी 6 कोच अटैण्डेंट ड्यूटी चार्ट में तो मौजूद थे, मगर भौतिक रूप से वे सभी नदारद थे। तीसरे मामले में 12615 जीटी एक्सप्रेस में नौ कोच अटैण्डेंट में से खुद एस. एम. ई. ने चार अटेण्डेंट की ड्यूटी दर्शाई। इस ड्यूटी चार्ट ने खुद रेल्वे बोर्ड के निर्देशों के उल्लंघन की पुष्टि कर दी। दोनों ही मामलों में खुद रेल्वे के टीटीई ने कम कोच अटैण्डेंट होने की पुष्टि की। चौथा मामला वेस्ट सेंट्रल रेल के भोपाल डिवीजन का है, जिसमें हमसफर एक्सप्रेस% में पूणे-हबीबगंज यात्रा के उपस्थिति रजिस्टर में कोच अटैण्डेंट की हाजिरी दिखाई गई मगर टीटीई की जांच में पांच अटैण्डेंट कम पाए गए। भोपाल डिवीजन ने आनन-फानन ठेकेदार पर 5000/- का जुर्माना लगा दिया। मगर सवाल यही है कि जब मामला पकड़ाया तो कार्रवाई हुई, यानी ऐसा कब से चल रहा है, उसको देखने वाला रेल्वे विभाग में कोई नहीं है। पांचवा मामला मध्य रेल के नागपूर स्टेशन का है, जिसमें 12113 गरीबरथ एक्सप्रेस में ए.सी. कोच में खुद टीटीई को एक भी कोच अटैण्डेंट नही मिला। छठवां मामला दक्षिण मध्य रेल के सिकंदराबाद मंडल का है। ट्रेन नं. 12722 दक्षिण एक्सप्रेस में टीटीई की जांच पड़ताल में कुल आठ ए.सी. कोच में सिर्फ दो कोच अटैण्डेंट पाए गए। शेष 06 अटेंडेंट गायब थे। ट्रेन नं. 12721 दक्षिण एक्सप्रेस में तो टीटीई शिकायत की जांच किए बिना ही उतर गए जबकि उन्हें ट्रेन में उपयुक्त संख्या में कोच अटैण्डेंट ना होने की यात्रियों की शिकायत मिल चुकी थी। आठवां मामला पश्चिम रेल के मुंबई डिवीजन का है जिसमें 22720 ट्रेन में यात्रियों की शिकायत पर टीटीई ने जांच की तो पाया कि 11 ए.सी. कोच में से 06 कोच अटैण्डेंट और सुपरवाइजर ड्यूटी से नदारथ थे। इसमें खुद एसएसई हैदराबाद ने रेल्वे बोर्ड के निर्देश का उल्लंघन कर 11 की जगह 5 कोच अटैण्डेंट की ड्यूटी लगाई। नौवां मामला दक्षिण पूर्व मध्य रेल डिवीजन बिलासपुर का है। ट्रेन नं. 18233 में 10 ए.सी. कोच के विरुद्ध 10 कोच अटेण्डेंट की ड्यूटी चार्ट जारी किया गया, मगर इनमें से सिर्फ दो कोच अटेंडेंट ही भौतिक रूप से पाए गए। आखिर ये मामले क्या दर्शाते है? ये तो महज नौ दस मामले है जिनमें कोच अटैण्डेंट की राशि में भ्रष्टाचार होने का अंदेशा है। ऐसी सैकड़ों ट्रैन प्रतिदिन देश में चलती है, और यकीनन इस तरह का भ्रष्टाचार होता आ रहा होगा। चूंकि आम यात्री को ओबीएचएस सेवाओं की गहराई से जानकारी नहीं है, इसका लाभ ठेकेदार उठाते ही है। रेल अधिकारी ने भी अनुबंध ऐसा बनाया है कि सेवा में कमी होने पर ठेकेदार जुर्माने का हकदार होगा। मगर उन रेल अधिकारियों का क्या जो जानते हुए भी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे। दरअसल, ओ. बी. एच. एस. सेवाओं की पुन- समीक्षा की जरूरत है। रेल बोर्ड की गाइडलाइन और निर्देशों के पालन की जांच होना भी जरूरी है। ओ.बी. एच. एस. सेवा हेतु जारी ठेको की सघनता से जांच जरूरी है, खास तौर से ओ. बी.एच.एस. की उपस्थिति और भुगतान पर गहरी जांच होनी चाहिए। अपनी जिम्मेदारी से बचाव करने वाले जिम्मेदार लोगो की कार्यप्रणाली की समीक्षा होनी चाहिए। देखा जाए तो भारतीय रेल की ओ.बी.एच. एस. सेवा का पुन- वृहद और अखिल भारतीय स्तर पर आडिट होना चाहिए ताकि हमारे प्रधानमंत्री का स्वच्छ भारत मिशन रेल प्रणाली में कामयाब सिद्ध हो सके। इसके साथ-साथ जो घोषणा हमारे प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार को खात्मा करने के लिए करी है, वह भी कारगर साबित हो सकें।